तापमान

अधिकतम 22.8 डिग्री

न्यूनतम 18.8 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, सोमवार 2 दिसंबर 2024

एनआईटी से इंजीनियरिंग के बाद भी रहे बेरोजगार तो पीएससी में ही कर ली प्यून की नौकरी, 5वें प्रयास में बने टैक्स अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

कोई व्यक्ति कहीं चपरासी की नौकरी करे और कुछ समय बाद वहीं अफसर बनकर प्रवेश करे, ऐसा फिल्मों में ही होता है। लेकिन ऐसा ही कारनामा बीरगांव निवासी शैलेंद्र बांधे ने कर दिखाया है। एनआईटी से इंजीनियरिंग करने के बाद भी जब कहीं नौकरी नहीं मिल सकी तो आर्थिक आत्म निर्भरता के लिए पीएससी में ही प्यून की नौकरी कर ली। लेकिन मन में एक चाह थी कि ऊंचे पद पर बैठकर देश सेवा करे, इसलिए हिम्मत नहीं हारी और परीक्षाएं दिलाते रहे। अंततः पांचवें प्रयास में सीजी पीएससी क्रैक कर ली। बीते सप्ताह जारी हुए पीएससी परिणाम में शैलेंद्र को ओवरऑल 73वां रैंक मिला है, जबकि उनका कैटेगरी रैंक दूसरा रहा है।

- बीरगांव निवासी शैलेंद्र बांधे ने हासिल की 73वीं रैंक, केटेगरी रैंक-2
- किसान हैं पिता, चयन की खबर मिली तो उठा लिया बेटे को गोद में

28 वर्षीय शैलेंद्र बताते हैं कि इसके पूर्व व्यापम के हैंडपंप तकनीशियन भर्ती परीक्षा में उनका चयन हो चुका था, लेकिन आवश्यक प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण उनका चयन नहीं हो सका। पीएससी की परीक्षाएं पांच बार अब तक दिला चुके हैं। इनमें से तीन बार साक्षात्कार में पहुंचे। तीसरे प्रयास के इंटरव्यू में जब सफलता मिली तो पिता संतराम ने उन्हें गोद में उठा लिया। माता कल्पना भी खुशी से रोने लगीं।

दर्जनभर से अधिक परीक्षाएं दिला चुके हैं शैलेंद्र

इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने से लेकर अब तक शैलेंद्र दर्जनभर से अधिक प्रतियोगी परीक्षाएं दिला चुके हैं। इसमें व्यापम और पीएससी सहित कई विभागों की पृथक रूप से निकलने वाली वैकेंसी भी शामिल है। कई बार ऐसा हुआ कि मंजिल तक आते-आते बस कुछ अंकों से चूक गए। इस दौरान जब 2022 में पीएससी ने प्यून की वेकेंसी निकाली और उसमें वे चयनित हो गए तो बिना सोचे इस पद को स्वीकार कर लिया। शैलेंद्र कहते हैं कि परीक्षाओं की तैयारी करने के साथ वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर होना आवश्यक था। उन्हें मई 2024 में नियुक्ति मिली। इसके बाद से वे नौकरी करने के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहे हैं।

सीनियर का चयन हुआ, तब मालूम चला पीएससी के बारे में

शैलेंद्र बताते हैं कि 2015 में उन्हें एनआईटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की सीट मिल गई। इसी दौरान कॉलेज के एक सीनियर ने पीएससी में अच्छा रैंक प्राप्त किया। पूरे संस्थान में उनकी चर्चा हुई। तब ही पीएससी के बारे में पता चला। पढ़ाई पूरी करने के बाद कुछ माह कोचिंग की। इसके बाद कोरोना आ गया। फिर पूरी तरह से स्वाध्याय, यू-ट्यूब चैनल के माध्यम से पढ़ाई करने लगा। मैं अपने वर्तमान पद से संतुष्ट हूं। फिलहाल यूपीएससी के बारे में नहीं सोचा है।

खबर संक्षेप

कार सवार से चाकू की नोक पर लूट

रायपुर। आमानाका थाने में एक व्यक्ति ने अज्ञात बाइक सवार चार बदमाशों के खिलाफ उसके बेटे के गले पर चाकू अड़ाकर नकदी पांच हजार रुपए तथा मोबाइल लूटने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सोनडोंगरी निवासी विश्वनाथ हसदा ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। विश्वनाथ ने पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे के साथ सामान खरीदने अपनी कार से हीरापुर मार्केट गया था। घर वापस जाते समय रात सवा 11 बजे के करीब बिलासपुर बायपास सर्विस रोड तेंदुआ के पास कार खराब हो गई। इसी दौरान बाइक सवार चार बदमाशों ने विश्वानाथ के लड़के को जबरन कार से उतारकर गले में चाकू अड़ाकर बदमाश विश्वनाथ की जेब से नकदी तथा मोबाइल लूट लिया और मौके से फरार हो गए। चाकू की वार से विश्वनाथ की उंगली में चोट लगी है।

मंदिरों में चोरी का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। आजाद चौक थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार दरमियानी रात एक साथ चार से पांच मंदिरों में भगवान की मूर्तियों से चांदी के मुकुट, आंख, बिछिया तथा पायल चोरी करने वाले आरोपी को सीसीटीवी फूटेज के आधार पर गिरफ्तार किया है। मंदिर में चोरी करने के आरोप में सरस्वती नगर कोटा निवासी गौकरण निषाद को गिरफ्तार किया गया है।

पुरानी रंजिश पर जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। उरला थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते सब्जी बेचने वाले पर जानलेवा हमला करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विवेक पटेल की शिकायत पर पुलिस ने रघुवीर साहू उर्फ भांचा को गिरफ्तार किया है। विवेक ने पुलिस को बताया कि एक माह पूर्व 30 अक्टूबर को पुरानी रंजिश के चलते रघुवीर ने उसके पिताजी की हत्या करने की नीयत से सब्जी काटने वाले चाकू से प्राणघातक हमला किया और मौके से फरार हो गया था।

पान ठेले में गांजा बेचते महिला गिरफ्तार

रायपुर। सिविल लाइंस पुलिस ने पान ठेले की आड़ में गांजा बेचने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक किलो गांजा जब्त किया है। साथ ही पुलिस ने महिला के कब्जे से गांजा बिक्री की रकम बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, पुराना राजेंद्र नगर में पान ठेले में गांजा बिक्री करने की शिकायत मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पान ठेले की जांच कर गांजा बरामद किया। गांजा बिक्री करने के आरोप में पुलिस ने ममता सागरवंशी को गिरफ्तार किया है।

चंगोराभाठा क्षेत्र में चार युवकों की मौत से पसरा मातम

रात 2 बजे इंस्टाग्राम पर वीडियो डाला और घंटेभर बाद ही टूट गई चारों दोस्तों के जीवन की डोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौत ने चंगोराभाठा के रहवासियों को झकझोर कर रख दिया है। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक युवक को रायपुर रेफर किया गया है। युवकों ने आधी रात को 2 बजे इंस्टाग्राम पर हनी सिंह का आखिरी वीडियो अपलोड किया। उसके एक घंटे बाद ही उनके साथ बड़ी दुर्घटना हो गई। हादसे के शिकार चार युवकों, अम्लेश्वर निवासी स्वप्निल हेमाने, चंगोराभाठा निवासी संजू साहू, दुष्यंत देवांगन तथा राहुल साहू की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं डिकेश साहू गंभीर रूप से घायल हो गया। एक्सीडेंट की जानकारी मिलते ही रविवार को मृतक तथा घायल युवक के परिजन अंबिकापुर के लिए रवाना हो गए।

घटना के बाद हरिभूमि की टीम हादसे में मृत युवकों के परिजनों से मिलने उनके घर पहुंची तो दुष्यंत के पड़ोस में रहने वाले युवकों ने बताया कि सभी आपस में अच्छे मित्र थे। उनकी मोहल्ले या आस-पड़ोस में रहने वाले किसी भी व्यक्ति से कभी विवाद की स्थिति निर्मित नहीं हुई। पांचों युवक अच्छे दोस्त होने के साथ-साथ कामकाजी भी थे।

पड़ोसियों के मुताबिक, दुष्यंत तथा अन्य तीन युवक चंगोराभाठा में आसपास के ही निवासी थे। परिजनों को सुबह 9 बजे एक्सीडेंट की जानकारी मिली। घटना की जानकारी मिलने के बाद पड़ोसी घायल तथा मृत युवकों के घर सांत्वना देने पहुंचने लगे। इसी दौरान परिजन आनन-फानन में गाड़ी किराए पर लेकर अंबिकापुर के लिए रवाना हुए।

वीडियो पर रैप सिंगर हनी सिंह के बज रहे थे गाने

- एक्सीडेंट की जानकारी मिलते ही अंबिकापुर के लिए रवाना हो गए परिजन
- कार की रफ्तार 120 किमी प्रतिघंटे से ज्यादा होने की जताई जा रही आशंका

रात 11 बजे के बाद दोस्तों की टोली रवाना हुई

पड़ोस में रहने वाले लड़कों के मुताबिक, दुष्यंत तथा उनके साथी रात 11 बजे जगदलपुर जाने के लिए रवाना हुए। इसी दौरान उनका मन बदल गया और वे जगदलपुर जाने के बजाय अंबिकापुर के लिए रवाना हो गए। अंबिकापुर में सड़क हादसा होने की जानकारी मिलने पर परिजनों को यकीन ही नहीं हो रहा था। परिजनों को इन सभी के जगदलपुर जाने की जानकारी थी।

अगस्त में खरीदी थी नई कार

मृतक स्वप्निल के पड़ोसियों के मुताबिक, स्वप्निल ने तीन माह पूर्व में नई स्कोडा कार खरीदी थी। उसी कार में सभी दोस्त टूर पर निकले थे। स्पप्निल के ट्रैवल एजेंसी चलाने के बारे में जानकारी मिली है। उसके पास कार के साथ ट्रक होने की बात सामने आई है। इसी तरह संजू जिम संचालित करता है। डिकेश की घड़ी चौक पर फोटोकॉपी शॉप है। राहुल और संजू उसके सहयोगी बताए जा रहे हैं।

वाट्स एप पर खबर, मोहल्ले में पसरा मातम

चंगोराभाठा के रहवासियों का एक वाट्स एप ग्रुप है। इस ग्रुप में जैसे ही युवकों के एक्सीडेंट की जानकारी वायरल हुई। वाट्स एप ग्रुप पर घटना को लेकर लगातार मैसेज आने शुरू हो गए। लोग अंबिकापुर में अपने परिचितों के माध्यम से एक्सीडेंट को लेकर जानकारी जुटाने लगे। एक साथ पांच युवकों की अकाल मृत्यु की खबर से क्षेत्र में मातम पसर गया।

इंस्टाग्राम पर आखिरी वीडियो रात 2 बजे

हादसे में जान गंवाने वाले युवकों ने आधी रात को लगभग 2 बजे इंस्टाग्राम पर वीडियो अपलोड किया। वीडियो में कार के भीतर से सड़क पर दिख रहा है कि स्क्रीन के पास लगे म्यूजिक सिस्टम के पैनल में स्क्रीन लगी है। स्क्रीन पर हनी सिंग का वीडियो चल रहा था। एक्सीडेंट की वजह स्क्रीन से भी ध्यान भटकने से होने की आशंका जताई जा रही है।

दक्ष वाहन चालक था स्वप्निल

चंगोराभाठा के एक रहवासी के मुताबिक, स्वप्निल की ड्राइविंग स्किल काफी अच्छी थी। वह दक्ष कार चालक था। वह एक निश्चित रफ्तार में सेफ कार ड्राइविंग करता था। हादसे में कार की ट्रक से आमने-सामने इतनी जबरदस्त टक्कर हुई है कि कार के पीछे तरफ की डिक्की तक खुल गई। कार की रफ्तार 120 किमी प्रतिघंटे से ज्यादा होने की आशंका जताई जा रही है।

क्लैट में सवाल पर बवाल विद्यार्थियों को जो विकल्प दिए, उनमें सभी गलत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाले कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट अर्थात क्लैट का आयोजन देशभर में बनाए गए परीक्षा केंद्रों में हुआ। राजधानी रायपुर में भी यह परीक्षा हुई। रायपुर में एकमात्र परीक्षा केंद्र हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विवि में बनाया गया था। यहां 600 विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दिलाई। क्लैट-2025 में पूछे एक सवाल पर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई है। परीक्षा देकर निकले छात्रों ⏭ शेष पेज 11 पर

- राजधानी में मात्र हिदायतुल्ला विवि में बनाया गया था केंद्र, 600 विद्यार्थियों ने दिलाई परीक्षा

बीच में हॉल छोड़ने की अनुमति नहीं

छात्रों को दोपहर 1 बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने की इजाजत दी गई। दोपहर 1:30 बजे तक अपनी-अपनी सीट पर बैठने निर्देशित किया गया था। एक बार परीक्षा हॉल में प्रवेश करने के बाद छात्रों को शाम 4 बजे से पहले हॉल छोड़ने की अनुमति नहीं ⏭ शेष पेज 11 पर

नारी शक्ति वंदन, ब्रिक्स सम्मेलन के सवाल

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कंसोर्टियम ने यह परीक्षा आयोजित की थी। परीक्षा दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक एकल शिफ्ट में हुई। पांच विषयों से संबंधित सवाल क्लैट के अंतर्गत पूछे जाते हैं। क्लैट-2024 में इंग्लिश के 24 सवाल, सामान्य ज्ञान के 28 सवाल, लीगल रिजनिंग के 32 सवाल, लॉजिकल रिजनिंग के 24 और गणित के 12 सवाल पूछे गए। अंग्रेजी भाषा के अंतर्गत 4 पैसेज में 6 सवाल पूछे गए। ये आसान रहे। सामान्य ज्ञान के अंतर्गत नारी शक्ति वंदन, पेरिस ओलंपिक, ब्रिक्स सम्मेलन और जम्मू कश्मीर से जुड़े सवाल पूछे गए। क्लैट विशेषज्ञ प्रियंका सिंह के मुताबिक, क्लैट में पूछे गए सवालों में गलती होने की स्थिति में बोनस अंक प्रदान करने के स्थान पर प्रश्न को विलोपित करने का प्रावधान है।

पुलिस विभाग में बड़ी सर्जरी, एक एसआई, 10 एएसआई समेत ढाई सौ से ज्यादा पुलिसकर्मी इधर से उधर

- एक दशक से ज्यादा समय से जमे पुलिसकर्मी भी तबादले की चपेट में आए
- एसएसपी के निर्देश पर पांच सौ से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तबादला सूची तैयार

एसएसपी ने कहा- बदले जाएंगे वर्षों से जमे थाना चलाने वाले सेटिंगबाज पुलिसकर्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खबर का असर

थानों में लंबे समय से तैनात 260 पुलिसकर्मियों का एसएसपी डॉ. संतोष कुमार सिंह ने रविवार को तबादला आदेश जारी किया है। पुलिसकर्मियों का तबादला आदेश एसएसपी के निर्देश पर 15 दिन पूर्व ही तैयार कर लिया गया था, लेकिन चुनाव आचार संहिता के चलते तबादला आदेश जारी नहीं हो पाया था। सूत्रों के मुताबिक एसएसपी जल्द ही दो सौ से ज्यादा पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण आदेश जारी कर सकते हैं। जिन पुलिसकर्मियों का तबादला आदेश जारी किया गया है। उनमें से ज्यादातर पुलिसकर्मी एक ही थाने में वर्षों से जमे हुए थे। गौरतलब है कि थानों में लंबे अरसे से जमे पुलिसकर्मी ⏭ शेष पेज 11 पर

इस स्तर के पुलिसकर्मियों का तबादला

एसएसपी ने जो तबादला सूची जारी किया है, उनमें एक सब इंस्पेक्टर, 10 एएसआई, 35 हेड कांस्टेबल तथा 214 कांस्टेबल शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पुलिसकर्मियों का तबादला आदेश जारी करने के एक दिन पूर्व एसएसपी ने शनिवार को सभी थानों के टीआई तथा राजपत्रित पुलिस अफसरों की बैठक ली थी। बैठक के बाद ही पुलिसकर्मियों के तबादला सूची जारी होने की चर्चा शुरू हो गई थी।

एसएसपी ने दिए सख्ती के निर्देश

एसएसपी ने शनिवार को क्राइम मीटिंग में सभी थानों के टीआई से वन-टू-वन चर्चा कर गांजा समेत सभी तरह के मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर लगाम लगाने के निर्देश दिए। साथ ही एसएसपी ने धर्मांतरण तथा मवेशी तस्करी के मामलों पर सख्ती के साथ रोक लगाने के साथ संजीदगी से मामले की जांच करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने सट्टेबाजों और नशाखोरों पर फौरन एक्शन लेने के निर्देश दिए थे।

सभी थानों के पांच से छह पुलिसकर्मी बदले गए

एसएसपी द्वारा जारी तबादला सूची में जिले के हर थाने के पांच से छह पुलिसकर्मियों के नाम शामिल हैं। इसके अलावा महिला थाने में लंबे समय से पदस्थ कांस्टेबल को दूसरी जगह भेजा गया है। अलग-अलग थानों के 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी लाइन में अटैच किए गए हैं। लाइन के आरक्षकों का थानों में तबादला किया गया है।

43 उद्यानों की देखरेख संधारण करने 5 साल के लिए दिया ठेका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने तय की एजेंसी

राजधानी के 43 उद्यानों और 40 तालाबों के मेंटेनेंस के लिए रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने एजेंसी तय कर दी है। रायपुर की एजेंसी को इस कार्य के लिए 5 साल का ठेका दिया गया है। इसमें बगीचों की मरम्मत, पाथवे, प्रकाश व्यवस्था ⏭ शेष पेज 11 पर

5 साल के लिए ठेका

शहर के 43 उद्यानों और 40 तालाबों के मेंटेनेंस, पाथवे निर्माण, विद्युतीकरण, लैडस्केपिंग सहित अन्य कार्यों की देखरेख के लिए रायपुर की एजेंसी को 5 साल के लिए ठेका दिया गया है। अनुबंधित एजेंसी ने कार्य शुरू कर दिया है। - पीके पंचायती
अतिरिक्त महाप्रबंधक तकनीकि, रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड।

फार्म हाउस में आबकारी की दबिश महंगी शराब की बोतलें बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आबकारी विभाग ने शनिवार को वीआईपी रोड स्थित एक फार्म हाउस सहित तीन अलग-अलग जगहों पर छापामार कार्रवाई करते हुए सौ लीटर शराब जब्त की है। आबकारी विभाग की टीम ने शगुन फार्म हाउस से हरियणा निर्मित प्रीमियम क्वालिटी की 55 लीटर से ज्यादा महंगी शराब जब्त की है। कार्रवाई आबकारी आयुक्त आर. संगीता, कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर आबकारी उपायुक्त रामकृष्ण मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई।

- आयोजित पार्टी में आबकारी विभाग ने मारा छापा

आबकारी विभाग द्वारा जारी बयान के मुताबिक, शराब की अवैध बिक्री की जानकारी मिलने पर वीआईपी रोड स्थित शगुन फार्म हाउस में छापे की कार्रवाई करते हुए परमानंद विश्वकर्मा के कब्जे से प्रीमियम ब्रांड शराब की जब्ती की गई। इसी तरह ⏭ शेष पेज 11 पर

राज्य में दाम ज्यादा होने से दूसरे प्रदेशों से तस्करी कर मंगा रहे शराब

जितनी कीमत में अंग्रेजी, उससे कम में प्रीमियम

आबकारी विभाग की टीम ने शगुन फार्म हाउस में छापे की कार्रवाई करते हुए प्रीमियम रेंज की जगरमिस्टर, ग्लैनलेविट, जॉनी वॉकर गोल्ड लेबल, रोकु जीन, ग्रे गूज वोदका, सिल्वर पैटरॉन टकीला, जैकब क्रीक, सुला, कोरोना जैसे महंगी शराब जब्त की है। आबकारी विभाग ने फार्म हाउस से जो शराब जब्त की है, वे सभी ब्रांड हरियाणा से तस्करी कर मंगाए गए थे। जब्त शराब में ज्यादातर की छत्तीसगढ़ में कीमत प्रति बोतल पांच हजार से ज्यादा है। हरियाणा में उक्त शराब 12 सौ रुपए से दो हजार रुपए के बीच में मिलती है।

22 जुआरी और तीन सटोरिए गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एसएसपी की क्राइम मीटिंग के बाद पुलिस ने शनिवार को भाठागांव स्थित अच्छी तालाब के पास तथा तेलीबांधा स्थित एक दुकान में छापे की कार्रवाई करते हुए 19 जुआरियों तथा तीन सटोरियों को सट्टा संचालित करते गिरफ्तार किया है। पुरानी बस्ती पुलिस ने जुआरियों के फड़ से 31 हजार 9 सौ रुपए तथा सटोरियों के कब्जे से दो हजार रुपए जब्त किए हैं। पुलिस ने तेलीबांधा स्थित गली नंबर छह में संचालित जूता-चप्पल की दुकान में छापे की कार्रवाई करते हुए सुरेश खेमानी, शिवदास चौहान तथा बसंत भागला को सट्टा संचालित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

चकल्लस

किसने बांटा आईफोन

अपना काम निकालने के लिए लेनदेन का रिवाज निभाने में स्वास्थ्य विभाग पीछे नहीं है। इसके लिए दीपावली सबसे बेहतर मौका होता है। इस बार स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की दिवाली जोरदार रही। इसका अनुमान त्योहार बीतने के बाद कई पॉवरफुल अफसरों के हाथों में नजर आने वाले आईफोन को देखकर लगाया जा रहा है। विभाग में चर्चा इस बात की हो रही है कि आईफोन बतौर गिफ्ट किसने और क्यों बांटा है। विभागीय जासूस इस बात का पड़ताल में जुटे हुए हैं कि गिफ्ट की खातिर किस योजना की रसीद फाड़ी गई है।

तेवर देखकर देंगे विभाग

नई सरकार बनने के बाद केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटने वाले अफसरों की लाइन लग गई है। आधा दर्जन से अधिक अफसर छत्तीसगढ़ लौट चुके हैं। इनमें से कइयों को नियुक्ति मिल गई है। कुछ अफसर ऐसे भी हैं, जिन्हें दो माह से अधिक समय होने के बाद भी अब तक मंत्रालय में बिना काम के बिठाकर रखा गया है। इन अफसरों को उनके तेवर देखकर ही विभाग देने की बात हो रही है। इनमें से एक अफसर ऐसे भी हैं, जिन्होंने शहर को सुधारने में बड़ा योगदान दिया था। यहां की सड़कों को यातायात के लायक बनाने में उनका बड़ा हाथ रहा। राजधानी बनने की शक्ल भी उनकी योजना से आगे बढ़ी। अब उनके लिए ऐसा ही काम ढूंढा जा रहा है।

मीटिंग-मीटिंग का खेल ...

कॉर्पोरेशन चुनाव को लेकर मगजमारी करने वाले नेताजी अब मीटिंग-मीटिंग का खेला करने में मगन हैं। पहले जब अपनी पार्टी की सरकार हुआ करती थी, तब महीने, दो महीने में बुला ही लेते थे। मेंबर हैरान कि कार्यकाल को महीनेभर भी नहीं बचा, अब मीटिंग बुलाकर कौन-सा तीर मार लेंगे? पर नेताजी मान नहीं रहे, सो अपोजिशन को टार्गेट में रखकर बेधड़क बयानबाजी कर चर्चा में बने हुए हैं। ये बात न कॉर्पोरेशन वाले बड़े साहब को हजम हो रही, न विपक्ष को। सो काम-धाम छोड़कर काउंटर अटैक की प्लानिंग में जुटे हैं।

जीत का फंडा ...

दक्षिण इलेक्शन में हार और जीत के मायने को लेकर खूब बहस छिड़ी, पर जीत का फंड क्या रहा, यह सस्पेंस जानने चंगू-मंगू कुलबुला रहे हैं। खबरीलाल को पता चला कि बापू सदन के सामने वाले बूथ पर ही कलाकारी हो गई। इलेक्शन के एक दिन पहले वोटरों के हाथ पर रात में स्याही लग गई। कहा गया, वोट डालने जाने की जरूरत नहीं, नाम लिखाते जाओ, हजार की दक्षिणा कल लेकर जाना। आयडिया काम कर गया। वोटिंग हुई तो पता चला कि अपोजिशन वालों के खाटी वोटर बूथ पर पहुंचे ही नहीं।

10 एकड़ की चौपाटी!

चार साल तक शहर में चौपाटी-चौपाटी खेलने वाले नेताजी भन्ना गए हैं। पता चला कि उनके कार्यकाल में बनाई गई चौपाटी अपोजिशन वाले चौपट करने पर तुले है। नेताजी को टेंशन कि अपना दुखड़ा किसको सुनाएं। किसी ने सजेशन दिया कि गरीब-गुरबों के लिए कुछ मैसेज हो जाए। सो चलाचली की बेला में नेताजी ऐलान कर गए कि शहर के आउटर में वेंडरों को एक जगह व्यवस्थित करने सरकार को 10 एकड़ का वेंडिंग जोन बनाना चाहिए। इससे गरीबों का निवाला नहीं छिनेगा और ट्रैफिक प्रॉब्लम साल्व होगा, सो अलग। अब ये बात लोगों के पल्ले नहीं पड़ रही कि 10 एकड़ जमीन चौपाटी के लिए कहां से लाएंगे?

सब्जी पहुंचाने का फायदा

प्रदेश के सबसे बड़े विवि में बड़े अधिकारी से एक फर्जी टाइप के प्रोफेसर की खूब निभ रही है। बड़े साहब ने तो उसकी हकिकत का अंदाजा होते ही दूरी बनानी शुरू कर दी थी, लेकिन पत्नी मोह में बेचारे फंस गए। क्या है कि प्रोफेसर की धर्मपत्नी बड़े साहब की पत्नी को समय-समय पर स्वादिष्ट पकवानों के साथ सब्जियां पहुंचाती हैं। अब पत्नी के आगे तो बड़े-बड़े नतमस्तक हो जाते हैं, फिर ये क्या चीज हैं। हॉस्टल के छात्रों ने जब प्रोफेसर के खिलाफ मोर्चा खोला तो बड़े साहब बड़ी सफाई से उन्हें बचा ले गए। लेकिन... राहत नहीं मिली। सुनने में आया है कि मामला विश्वविद्यालय से बाहर एक आयोग में चला गया है, जहां से विवि को नोटिस तलब हुआ है।

एक-दो और मिल जाए तो...

देखिए काम तो सिर्फ स्कूल शिक्षा विभाग में ही होता है। अब विश्वास ना आए तो बीते दिनों हुए तबादले की सूची को ही देख लीजिए। लोक शिक्षण संचालनालय की बड़ी मैडम को एक-दो विभाग का प्रभार और मिल गया है। कई ऐसे भी हैं जो लंबे समय से बस उम्मीद लगाए बैठे थे कि किसी विभाग का दायित्व मिल जाए तो कुछ काम किया जाए... लेकिन कुछ हो नहीं सका। बेचारे समझ ही नहीं सके कि कहां चूक हो गई कि कुछ भी हाथ ना आ सका। लालच का अंत कहां है? बड़ा विभाग मिलने पर भी मन में आस रहती ही है कि एक-दो और विभाग मिल जाते तो जीवन संवर जाता।

ऐसी कर्तव्यनिष्ठा...

राज्य सरकार ने हाल ही में आदेश दिया है कि किसी भी शासकीय कर्मी का तबादला होने के बाद उसे सात दिनों में अपने नए स्थल पर ज्वाइनिंग देकर काम शुरू करना है, वर्ना ब्रेक इन सर्विस माना जाएगा। वेतन निकालना भी मुश्किल हो जाएगा, लेकिन सरकार के इस आदेश के विरुद्ध एक ताजा मामला सामने आया है। एक विभाग में उपसंचालक स्तर के अधिकारी तबादले के बाद भी छुट्टी के दिन दफ्तर खुलवाकर काम करते पाए गए। बताया गया है कि वह पुराने कामकाज पर लीपापोती करने की कोशिश में थे।

हमारे भ्रष्टाचारी...

हमारे यहां आए दिन रिश्वतखोरी और लोगों को डरा-धमकाकर पैसे वसूलने के मामले रोज सामने आ रहे हैं। राज्य की सरकारी एजेंसी एसीबी इन मामलों में पटवारी, आईआई, बाबू और छोटे-मोटे निरीक्षक स्तर के कर्मियों को लगातार पकड़कर केस बना रही है, लेकिन दूसरी तरफ देखा जाए तो सरकार ने अपने कर्मियों को एक बड़े शिकंजे से बचाने का काम भी कर रखा है। यहां सीबीआई की भ्रष्टाचार विरोधी शाखा भी काम करती है, लेकिन नियम ये बना है कि राज्य के सरकारी कर्मियों को सीबीआई नहीं पकड़ सकती। अगर कोई मामला आया भी तो पहले जांच की अनुमति लेनी पड़ेगी। अब तक सीबीआई भी समझ चुकी है कि ये भ्रष्टाचारी दरअसल उनके हिस्से के नहीं हैं।

जिया कुरैशी, सुरेंद्र शुक्ला
प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

भूपेश ने बनाया गैर राजनीतिक संगठन छत्तीसगढ़ मितान क्लब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ मितान क्लब के नाम से गैर राजनीतिक संगठन बनाया है। राजीव युवा मितान से जुड़े युवा इसमें शामिल हैं। नए संगठन की कमान गिरीश देवांगन को सौंपी गई है। संगठन की एक बैठक हो चुकी है, इससे प्रदेश कांग्रेस संगठन के बड़े नेताओं को दूर रखा गया है।

पूर्व सीएम के नए संगठन को लेकर कांग्रेस में हलचल मची हुई है। छत्तीसगढ़ मितान क्लब के सदस्यों की बैठक गुरुवार और शुक्रवार को सरोना के सिद्धि विनायक मैरिज हॉल में हुई। कोरबा, राजनांदगांव और अन्य जिलों के करीबी तीन सौ युवा इसमें शामिल हुए। ये सभी राजीव गांधी युवा मिलान क्लब के सदस्य थे। उन्हें एक हजार रुपए मासिक मानदेय भी मिलता था। सभी जिलों में क्लब अस्तित्व में आ चुका था। साय सरकार ने आते ही क्लब को बंद कर दिया गया।

राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों को भूपेश बघेल ने नए संगठन छत्तीसगढ़ मितान क्लब से जोडने के पहल की है। संगठन की पहली बैठक में भूपेश बघेल के करीबी नेता ही शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व सीएम के सलाहकार प्रदीप शर्मा, गिरीश देवांगन, सन्नी अग्रवाल, प्रमोद दुबे, राजनांदगांव की हेमा देशमुख, कई जनपद अध्यक्ष और युवक कांग्रेस के पदाधिकारी भी थे।

गिरीश को सौंपी जिम्मेदारी, कांग्रेस संगठन के बड़े नेताओं को रखा दूर

काम करने से बनेगी पहचान : बघेल

श्री बघेल ने कहा, राजीव युवा मितान क्लब का गठन हुआ था। क्लब के सदस्यों ने काम भी किया था, लेकिन काम को लेकर पहचान नहीं बनी है। किसी भी संगठन की पहचान उसके कार्यकर्ताओं से होती है। सत्ता के संरक्षण में पहचान नहीं बनती। सत्ता के बाहर रहने से आदमी संघर्ष करता है, तब उसका व्यक्तित्व निखरता है। उन्होंने कहा, आप लोग गली-मोहल्लों में काम करेंगे तो पहचान बनेगी।

बनाया गया रोडमैप

बैठक में आने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। सभी जिलों में अलग-अलग मुद्दों को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, प्रभातफेरी निकाली जाएगी। क्लब की गतिविधियों को लेकर ग्रुप का गठन किया जाएगा। क्लब की अगली बैठक जल्द होगी।

भूपेंद्र सवन्नी नगरीय निकाय और सौरभ सिंह पंचायत चुनाव के बनाए गए प्रदेश प्रभारी

राष्ट्रीय नेताओं के सामने डिप्टी सीएम शर्मा का बड़ा ऐलान- निकाय-पंचायत चुनाव होंगे साथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश में इस बार नगरीय निकाय के साथ ही पंचायत चुनाव भी कराने पर भाजपा के सारे नेता एकमत हैं। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में रायपुर और दुर्ग संभाग के साथ बैठक के बाद अब यह तय हो गया है कि प्रदेश सरकार दोनों चुनाव एक साथ कराएगी। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बैठक में बड़ा ऐलान करते हुए कहा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर हम राज्य में दोनों चुनाव एक साथ कराएंगे। भाजपा ने जहां नगरीय निकाय चुनाव का भूपेंद्र सवन्नी को प्रदेश प्रभारी बनाया है, वहीं पंचायत चुनाव के प्रदेश प्रभारी का जिम्मा सौरभ सिंह को दिया गया है।

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश ने कहा, पंचायत और नगरीय निकाय के चुनाव में भाजपा या हमारी विचारधारा के समर्थक साथी आएंगे तो जनता के पैसे बर्बाद नहीं होने देंगे। शिवप्रकाश ने कहा, आगामी दोनों चुनावों में हम पूरे आत्मविश्वास के साथ जनता के बीच अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड लेकर जनता-जनार्दन तक पहुंचें और पंचायत से पार्लियामेंट तक भाजपा का परचम लहराने के इस अवसर को अपना लक्ष्य बनाएं। शिवप्रकाश ने बाद में संभाग प्रभारियों और प्रदेश महामंत्रियों की बैठक लेकर दलीय गतिविधियों की समीक्षा की और आगामी नगरीय निकाय व त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के दृष्टिगत मार्गदर्शन किया।

ये रहे उपस्थित

बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक गजेंद्र पटेल, पूर्व विस अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, सुनील सोनी, संपत अग्रवाल, गजेंद्र यादव, अनुज शर्मा, ललित चंद्राकर, सुशांत शुक्ला, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरला कोसरिया, महामंत्री संजय श्रीवास्तव व जगदीश (रामू) रोहरा, रामजी भारती, भरत वर्मा, प्रदेश कार्यालय प्रभारी नरेश गुप्ता, अंजय शुक्ला सहित प्रदेश कोर ग्रुप, भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी व कार्यसमिति सदस्य उपस्थित रहे।

एक साथ होंगे चुनावः विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जो विजन है, वन नेशन वन इलेक्शन, उसे ध्यान में रखकर मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव एक साथ होंगे। यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। जिलों में चुनाव एक फेस में हो, नतीजे एक साथ आएं, इसका प्रयास होगा। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सुशासन को लेकर बड़े-बड़े निर्णय हुए। उसको लेकर कार्ययोजना बनाई गई है। इन फैसलों को पंचायत स्तर तक लेकर जाएंगे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, शहर से लेकर गांव तक केवल विकास के काम हो रहे हैं। नगरीय निकायों, नगर पालिका, नगर पंचायत, सभी के कार्यों की गति बढ़ा दी गई है। नगरीय निकायों में अधिकतर जगह कांग्रेस के लोग रहे हैं। उनकी असफलता से लोग परेशान रहे हैं। उनकी असफलता को जन-जन तक ले जाएंगे। सारे चुनावों में हम प्रचंड जीत हासिल करेंगे।

जनता के सामने रखेंगे रिपोर्ट कार्डः साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, हमारी सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने जा रहा है। हम सब फिर से जनता जनार्दन को धन्यवाद देंगे कि उन्होंने मोदी की गारंटी पर विश्वास किया। हम जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड भी रखेंगे कि कैसे हमने केवल एक वर्ष में ही कई कार्यों को सफलता से जनता के सहयोग से किया है। नक्सलवाद पर मिली सफलता की चर्चा पूरे देश में है। हम छत्तीसगढ़ को जल्दी इससे मुक्त कराने जा रहे हैं। श्री साय ने कहा, नगरीय निकायों को 2 हजार करोड़ की बड़ी राशि दी गई है। पंचायतों में भी विकास का काम चल रहा है। नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव कार्यकर्ताओं को स्थापित करने का चुनाव है। हम पूरी ताकत से और गंभीरता से इस पर कार्य करेंगे।

कार्यकर्ताओं को नेतृत्व देने वाले चुनाव हैं : नवीन

भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन ने कहा, ये चुनाव कार्यकर्ताओं को नेतृत्व देने वाले चुनाव हैं, लीडरशिप बनाने का चुनाव है। हम सब यह तय करें कि हमारी इन चुनावों में भूमिका क्या होगी। हिमाचल हो या कर्नाटक, कांग्रेस की सरकारों का हाल देखें जो अपने किए वादे पूरे नहीं कर पाई है, लेकिन छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने जो काम किया है, वह ऐतिहासिक है। किरण देव ने कहा, जनता भी अब चाहती है कि पंचायत से पार्लियामेंट तक भाजपा के प्रतिनिधि नेतृत्व करें। नगरीय निकाय चुनाव में प्रभारी के दायित्व को देख रहे भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि हमारे पास एक मजबूत आधार है। हमने बार-बार खुद को साबित किया, अपने कार्यों को जनता तक ले जाकर आशीर्वाद मांगेंगे। पंचायत चुनाव के प्रभारी पूर्व विधायक सौरभ सिंह ने कहा, यह चुनाव हम पूरी एकजुटता से लड़ेंगे।

भाजपा मनाएगी विजय पर्व

13 दिसंबर को प्रदेश की साय सरकार का एक साल पूरा होगा। इस अवसर पर भाजपा ने 13 से 25 दिसंबर तक प्रदेश में विजय पर्व मनाने का फैसला किया है। इसको लेकर योजना बनाई जा रही है कि इस दौरान क्या-क्या करना है।

एयरपोर्ट विस्तार के लिए 23.64 करोड़ की स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर एयरपोर्ट के विकास कार्यों के लिए वित्त विभाग ने 23.64 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। इससे एयरपोर्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा से संबंधित कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इन कार्यों की स्वीकृति से राज्य के एयरपोर्ट का उन्नयन और विकास प्रभावी व सुव्यवस्थित तरीके से हो सकेगा। इससे विमानन सेवाएं बेहतर होंगी और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। वित्त विभाग ने बिलासपुर एयरपोर्ट में एप्रन विस्तार और लाइटिंग कार्य के लिए 2 करोड़ 96 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। एप्रन विस्तार कार्य के तहत एयरपोर्ट के उड़ान पट्टी के आसपास के क्षेत्र को बढ़ाया जाएगा, जिससे विमानों की पार्किंग और संचालन में सहूलियत होगी। साथ ही एयरपोर्ट के लाइटिंग सिस्टम का उन्नयन किया जाएगा, ताकि रात के समय विमान संचालन को सुरक्षित एवं प्रभावी बनाया जा सके। जगदलपुर एयरपोर्ट के लिए एयरस्ट्रिप सुधार के लिए 20.40 करोड़ की राशि मंजूर की गई है। इससे एयरपोर्ट की सुरक्षा और संचालन क्षमता में वृद्धि होगी। आइसोलेशन बे का निर्माण विमान को आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित खड़ा रखने के लिए किया जाता है, जबकि सड़क का चौड़ीकरण यातायात में सुगमता लाएगा। वायर फेंसिंग से एयरपोर्ट के चारों ओर सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। इसी तरह अंबिकापुर एयरपोर्ट के विकास कार्यों के लिए 27.92 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि एयरपोर्ट के बुनियादी ढांचे और संचालन क्षमता में सुधार लाने के लिए उपयोग की जाएगी।

कांग्रेस की सरकार में महापौर क्यों नहीं लाए फंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

नगर निगम महापौर एजाज ढेबर के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पार्षद दल के प्रवक्ता मृत्युंजय दुबे ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के रहते महापौर एजाज ढेबर रायपुर के 70 वार्डों के विकास के लिए कभी अधोसंरचना मद से राशि नहीं ला पाए। तुंहर द्वार तुंहर सरकार शिविर 2021-22 में 70 वार्डों में लगाया गया। लगभग 37 हजार आवेदन इस शिविर में आए, जिनमें 7 हजार से अधिक आवेदन सड़क, बिजली, पानी, विद्युत पोल, नाली निर्माण से संबंधित थे, जिसके निराकरण के लिए 24 करोड़ रुपए की राशि राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन विभाग से मांगी थी, वह राशि महापौर और कांग्रेस के 3 विधायक अपने ही कांग्रेसी मुख्यमंत्री से नहीं ला पाए तो महापौर ढेबर जी, आपको 4 साल का समय मिला था, जब आपके शहर में 3 विधायक और मुख्यमंत्री भी कांग्रेसी ही थे तो आप करा लेते। 24 करोड़ रुपए लाकर 7000 आवेदनों का निराकरण करा लेते।

पार्षद मृत्युंजय दुबे ने कहा कि कांग्रेस के 4 सालों में नगर निगम के महापौर ढेबर भारत सरकार के 14 वें वित्त आयोग ,15 वें वित्त आयोग और स्मार्ट सिटी की राशि से चौक-चौराहे और चौपाटी निर्माण जैसे अनावश्यक विकास कार्यों में व्यस्त रहे।

मिलरों के अलावा निकाय-पंचायत चुनाव पर बात

मिलर्स पर बकाया चार हजार करोड़ मिलेंगे किस्तों में, कैबिनेट में आज हो सकता है फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में राइस मिलर्स और राज्य सरकार के बीच गतिरोध समाप्त होने के बाद अब मिलरों की बकाया राशि करीब चार हजार करोड़ रुपयों की अदायगी पर फैसला होना है। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को दोपहर 3 बजे मंत्रालय में होने वाली मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में होने वाली राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में इस मसले पर कोई निर्णय लिया जा सकता है। कहा जा रहा है कि सरकार इस बड़ी राशि को एकमुश्त देने के बजाय किस्तों में देने के लिए तैयार हो रही है, लेकिन कैबिनेट में इस बारे में फैसला लिया जाना है।

राज्य में मिलरों द्वारा की जानी वाले कस्टम मिलिंग और उससे जुड़े विषयों पर कैबिनेट में चर्चा और निर्णय होने की संभावना जताई जा रही है। बताया गया है कि मिलरों का करीब 4 हजार करोड़ रुपए का बकाया सरकार पर है। यह राशि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार कार्यकाल और इसमें से पिछले साल मौजूदा सरकार के समय की है। बताया जा रहा है कि मिलर इस बकाया को लेकर अड़े हुए थे। राशि देने का पुख्ता भरोसा मिलने के बाद वे मिलिंग के लिए तैयार हुए है।

कैबिनेट में मेयर चुनाव, ओबीसी आरक्षण पर होगी बात

इधर मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय होने की संभावना है कि राज्य में नगरीय निकायों के मेयर का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से हो। इसके लिए सरकार अध्यादेश लाने का निर्णय ले सकती है। इसी तरह नगरीय निकाय और पंचायतों के चुनाव में आरक्षण की नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया जा सकता है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की रिपोर्ट सरकार को मिल चुकी है।

मिलरों से सुलझा विवाद

इधर राज्य में कस्टम मिलिंग को लेकर चल रहे विवाद का समाधान भी हो गया है। सरकार ने मिलरों को मिलिंग के लिए प्रोत्साहन राशि 80 रुपए प्रति क्विंटल देने का निर्णय लिया है। पहले यह राशि 60 रुपए दी जाती थी। इसके साथ ही मिलरों को दिए जाने वाले ट्रांसपोर्टिंग व्यय पर यह बात बनी है कि स्टेट लेवल कमेटी द्वारा तय किया गया परिवहन शुल्क मान्य किया जाएगा।

पॉवर कंपनी 14 हजार मेगावाट की नई योजनाओं पर कर रही काम

कोरबा में 660 मेगावाट के दो नए संयंत्र नए साल में लेने लगेंगे आकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी बिजली का उत्पादन बढ़ाने लगातार योजनाएं बना रही है। कोरबा में 660 मेगावाट के दो नए संयंत्र लगाने की मंजूरी राज्य सरकार पहले ही दे चुकी है। इसे लेकर प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। इसका टेंडर भी हो गया है। इसकी स्क्रूटनी का काम चल रहा है। पर्यावरण की भी एनओसी जल्द मिलने वाला है। नए साल में टेंडर को फाइनल कर इस पर काम प्रारंभ किया जाएगा। पॉवर कंपनी नई योजनाओं के माध्यम से करीब 14 हजार मेगावाट उत्पादन बढ़ाने की तैयारी में है।

राज्य सरकार इस समय बिजली उत्पादन की क्षमता को विशाल बनाने की दिशा में काम कर रही है। छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी के कोरबा पश्चिम में 660 मेगावाट के दो संयंत्र लगेंगे। इसके पहले सबसे बड़े दो संयंत्र 500-500 मेगावाट के मड़वा में लगे थे। कोरबा पश्चिम में पॉवर कंपनी के पास अपनी जमीन भी है। यहां 60 साल पुराने 50 मेगावाट के चार और 120 के दो संयंत्र प्रदूषण के कारण बंद हो चुके हैं। अब उसी स्थान पर नए संयंत्र लगाने की तैयारी है। इसे लेकर उत्पादन कंपनी तैयारी अंतिम चरण में हैं।

अभी 2980 मेगावाट उत्पादन क्षमता : अलग राज्य बनने के बाद 2000 में राज्य में बिजली के मामले में ज्यादा सुविधाएं नहीं थीं। उत्पादन के मामले में यहां पर महज 1360 मेगावाट का ही उत्पादन होता था, लेकिन आज की स्थिति में यह उत्पादन 2980 मेगावाट हो गया है। मड़वा में जो 500 मेगावाट की दो यूनिट लगी है, उस यूनिट में जब करीब आठ साल पहले उत्पादन प्रारंभ हुआ था, तभी से उसकी बिजली तेलंगाना को देने का अनुबंध हो गया था। ऐसा इसलिए संभव हो सका, क्योंकि उत्पादन के मामले में राज्य सरप्लस हो गया था। आज की स्थिति में जहां अपना उत्पादन 2980 मेगावाट है, वहीं सेंट्रल सेक्टर से करीब साढ़े तीन हजार मेगावाट का शेयर मिलता है।

अब नए संयंत्र की तैयारी

जिस तरह से तेजी से प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा हो रहा है, उससे आने वाले समय में बिजली की बहुत ज्यादा जरूरत होगी। आज उपभोक्ताओं की संख्या करीब 65 लाख हो गई है। पहले बिजली की खपत रोज तीन हजार मेगावाट से भी कम रहती थी, आज खपत छह हजार से ज्यादा हो रही है। प्रदेश सरकार ने करीब दो दशक की खपत को देखते हुए ही योजना बनाकर कोरबा में 660 मेगावाट के दो संयंत्र लगाने की मंजूरी दी है। इसी के साथ अब पॉवर कंपनी मड़वा में भी एक 660 मेगावाट का संयंत्र लगाने के लिए डीपीआर बनाने की तैयारी में है। इसके बाद प्रदेश सरकार से मंजूरी लेकर इस पर काम किया जाएगा।

पानी से पैदा होगी 7700 मेगावाट बिजली

पानी से बिजली बनाने के लिए पांच स्थानों का चयन किया गया है। इनमें हसदेव-बांगो कोरबा और सिकासेर बांध गरियाबंद में 12-12 सौ मेगावाट का प्लांट लगेगा। जशपुर के डांगरी में 14 सौ मेगावाट और रौनी में 21 सौ मेगावाट का प्लांट लगाया जाएगा। इसके लिए तैयारी हो गई है। पहले चरण में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृहजिले जशपुर में 35 सौ मेगावाट बिजली का उत्पादन पानी से किया जाएगा। क्षमता इसी के साथ बलरामपुर के कोटपल्ली में 18 सौ मेगावाट का प्लांट लगेगा। इन स्थानों पर पंप हाइड्रो योजना के तहत 7700 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

धान के उठाव और कस्टम मिलिंग पर सहमत हुए मिलर्स

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव न होने के कारण वहां जाम की स्थिति और किसानों को धान बेचने में हो रही दिक्कत का समाधान हो गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर इस समस्या के समाधान के लिए लघु उद्योग भारती एवं भारतीय किसान संघ के साथ राइस मिल एसोसिएशन के पदाधिकारियों के बीच हुई बातचीत से राइस मिलर्स ने धान खरीदी केंद्रों से धान का नियमित उठाव करने और कस्टम मिलिंग जारी रखने का निर्णय लिया है। शासन द्वारा मिलर्स की बीते वर्षों के बकाया राशि का जल्द ही भुगतान करने का आश्वासन मिलने के साथ ही उनके अन्य मांगो का हल निकाला गया।

सीएम के निर्देश- बारिश से बचाएं धान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तमिलनाडु में आए चक्रवाती तूफान फेंगल के मद्देनजर छत्तीसगढ़ राज्य में बारिश की संभावना को देखते हुए धान को बारिश से बचाने के लिए एहतियाती कदम उठाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

खबर संक्षेप

कलार समाज ने किया बुजुर्गों का सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ कलार समाज रामनगर गुढ़ियारी परिक्षेत्र मंडल द्वारा राजराजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु जयंती एवं बुजुर्गों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही युवक, युवती परिचय सम्मेलन भी रखा गया। कार्यक्रम बुद्ध विहार अशोक नगर गुढ़ियारी में रविवार को हुआ, जिसमें मंडलेश्वर पुरुषोत्तम जायसवाल एवं युवा मंच अध्यक्ष कुंदन कुमार सिन्हा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाज के प्रांताध्यक्ष युवराज सिन्हा, छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सुबोध हरितवाल, युवा मंच प्रातीय उपाध्यक्ष नंदू सिन्हा, भुवन सिन्हा, सत्यनारायण सिन्हा, मोहन सिन्हा, सुशील सिन्हा, राजू सिन्हा, भीम सिन्हा, सालिकराम सिन्हा, जित्तू सिन्हा, हेमू सिन्हा, पप्पू सिन्हा, बंशी सिन्हा, महेश सिन्हा आदि शामिल थे।

मुख्य अभियंता राजेश शर्मा सेवानिवृत्त

रायपुर। नगर निगम रायपुर में 42 वर्ष तक सेवाएं देने के बाद 30 दिसंबर को

अर्द्धवार्षिकी आयु पूर्ण कर मुख्य अभियंता राजेश शर्मा सेवानिवृत्त हो गए। वर्ष 1983 के दौरान नगर निगम रायपुर में अभियंता के रूप में नियुक्त श्री शर्मा ने रायपुर नगर निगम के मुख्यालय भवन, शहीद स्मारक भवन, सरदार बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, तेलीबांधा तालाब सौंदर्यीकरण विकास योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण विकास योजनाओं के कार्यों में नगर निगम के योजना विभाग की टीम को तकनीकी सुझाव व मार्गदर्शन दिया। नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने राजेश शर्मा द्वारा नगर निगम को दी गई सेवाओं की सराहना की।

निधन

लोकराम मत्थानी

रायपुर। कुंदन कुंज नहरपारा निवासी

लोकराम मत्थानी (85) का निधन हो गया। उनकी अंतिम इच्छानुसार 1 दिसंबर को मेडिकल कॉलेज में उनका शरीर दान किया गया। वे गोपाल दास एवं विजय मत्थानी के पिता थे।

शांति देवांगन

रायपुर। रायपुर निवासी शांति देवांगन

(85) का 1 दिसंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 2 दिसंबर को सुबह 10 बजे मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे मिलाप टेलर्स के संचालक की माता थीं।

आशीष कुरारिया

रायपुर। अवंति विहार कॉलोनी

तेलीबांधा निवासी आशीष कुरारिया का 1 दिसंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे जीपी कुरारिया के पिता और अजय कुरारिया के भाई थे।

अय्यूब मसीह

रायपुर। पारसी कब्रिस्तान टिकरापारा

निवासी अय्यूब मसीह (75) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 1 दिसंबर को अरविंद नगर टिकरापारा सेंट पॉल्स प्रभु की वाटिका में किया गया। वे संतकुमारी मसीह के पति और अरुण मसीह, आलोक मसीह, अतुल मसीह, अमित मसीह एवं अरुणा जगाती के पिता थे।

रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव समेत 22 जिलों में रोड एक्सीडेंट से मौत के मामलों में इजाफा

जनवरी से अक्टूबर 2023 तक के मुकाबले 2024 में सवा छह प्रतिशत अधिक मौतें दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

राज्य में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और हादसे कम करने के तमाम उपायों के बीच भी पूरे छत्तीसगढ़ में रोड एक्सीडेंट में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ी है। पुलिस मुख्यालय की यातायात शाखा ने वर्ष 2023 और 2024 में जनवरी से लेकर अक्टूबर तक हुए रोड एक्सीडेंट के जो आंकड़े जारी किए हैं, उससे ये तथ्य सामने आया है कि प्रदेश के 22 जिलों में पिछले साल से सवा छह प्रतिशत अधिक लोगों की जान गई है। राज्य के 10 जिलों में ही सड़क दुर्घटना से मरने वालों की संख्या में कमी आई है।

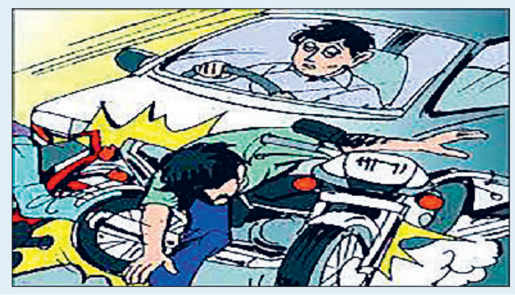

इन जिलों में बढ़े एक्सीडेंट से मौत के मामले

राज्यभर के 22 जिलों में एक्सीडेंट से मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी 2024 में अक्टूबर तक हुई है। इन जिलों में रायपुर, गरियाबंद, दुर्ग, बेमेतरा, बालोद, राजनांदगांव, कबीरधाम, मुंगेली, कोरबा, रायगढ़, सरगुजा, कोरिया, बलरामपुर, जशपुर, कोंडागांव, बीजापुर, नारायणपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती, मनेंद्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर जिला शामिल है। दूसरी ओर जिन जिलों में पिछले साल के मुकाबले मौत के मामले कम हुए हैं, उनमें बलौदाबाजार, महासमुंद, धमतरी, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सूरजपुर, जगदलपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा और सुकमा जिला शामिल है।

पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में राज्य के सभी जिलों में कुल मिलाकर एक्सीडेंट की 11 हजार 374 घटनाएं हुई थीं, लेकिन 2024 में यही आंकड़ा बढ़कर 12 हजार 309 हो गया है। इस तरह एक्सीडेंट के कुल मामलों की संख्या 935 बढ़ी है। इन घटनाओं में 2023 में मरने वालों की कुल संख्या 5 हजार 171 थी, 2024 में मरने वालों की संख्या 5 हजार 493 हो गई। मौतों की संख्या भी 322 बढ़ी है। इस प्रकार कुल मिलाकर पिछले साल के दस महीनों के मुकाबले इस साल मरने वालों की संख्या करीब सवा 6 प्रतिशत बढ़ गई है।

कई जिलों में इसी तरह के हालात, किसानों की बढ़ेगी दिक्कत

उपार्जन केंद्रों में पहुंचा धान का बफर स्टॉक जगह पर्याप्त नहीं होने से खरीदी प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर/राजनांदगांव/धमतरी

छत्तीसगढ़ में 14 नवंबर से धान खरीदी शुरू की गई है। 11 दिनों में अब तक 18.09 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। राज्य में अब तक 3.85 लाख किसानों ने अपना धान बेचा है। खरीदी केंद्रों से धान के उठाव को लेकर मिलरों से अनुबंध न होने के कारण कई जिलों के खरीदी केंद्रों से धान रखने की जगह कम पड़ रही है। वहीं मार्कफेड द्वारा खरीदी केंद्रों से उठाव कर संग्रहण केंद्रों में धान रखने की अनुमति दी जानी थी। कई जिलों में उसके लिए परिवहन अनुबंध का आदेश जारी न होने के कारण उठाव नहीं हो पा रहा है।

- **बारिश के चलते नमी बढ़ने से धान खरीदी पर भी पड़ेगा असर**

जानकारी के अनुसार, बालोद, धमतरी, बेमेतरा, दुर्ग, महासमुंद, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, मुंगेली समेत कई अन्य जिलों में लाखों टन धान की खरीदी हो चुकी है। खरीदी केंद्रों से उठाव नहीं होने के कारण यहां पर और धान रखने की जगह नहीं होने से आगे की खरीदी अटकने के आसार हैं। बालोद जिले के 88 खरीदी केंद्रों में करीब 10 लाख क्विंटल धान जाम पड़ा है। उठाव नहीं होने के कारण यहां आगे की खरीदी पर प्रभाव पड़ सकता है। बताया गया कि पूरे जिले में 14 नवंबर से अब तक 10 लाख 46 हजार क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। वहीं बेमेतरा जिले में 38 खरीदी केंद्रों में धान का उठाव नहीं होने से यहां पर रखने की जगह नहीं है। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि यहां पर परिवहन अनुबंध आदेश जारी नहीं होने के कारण धान का उठाव नहीं हो पा रहा है। वहीं धमतरी जिले के सांकरा, नगरी के खरीदी केंद्रों में 5 लाख टन से अधिक का धान जाम है। यहां पर कई खरीदी केंद्रों से संग्रहण केंद्रों के लिए उठाव की अनुमति दी गई है। परिवहन अनुबंध के कारण कई खरीदी केंद्रों से धान का उठाव नहीं हो रहा है।

दुर्ग जिले के 46 केंद्रों में बफर स्टॉक

दुर्ग जिले में 102 खरीदी केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी हो रही है। इनमें से 46 केंद्रों में धान रखने की जगह नहीं है। अंडा, जामगांव आर, डीडाभाठा, नगपुरा, निकुम, निपानी, जामगांव एम, फेकारी, बटरेल, बरहापुर, राहटादाह, रौंदा, सेलूद, सुरपा, सांतरा, तिरगा आदि धान खरीदी केंद्रों में धान रखने की जगह नहीं है। जिले में 19212 किसानों से 8 लाख 93 हजार 460 क्विंटल धान खरीदी हुई है। जबकि जिले में 1 लाख 14 हजार 775 किसानों से 67 लाख क्विंटल धान की खरीदी होनी है। केंद्रों में निर्धारित लिमिट से इतना ज्यादा धान जाम हो गया है कि इसके परिवहन में ही एक सप्ताह लग जाएंगे। ऐसी स्थिति में आने वाले दिनों में धान खरीदी प्रभावित हो सकती है।

बारिश बन सकती है आफत

धान खरीदी के समय फेंगल चक्रवात के प्रभाव से राज्य के 17 से अधिक जिलों में पांच दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। खरीदी केंद्रों में धान को बारिश से बचाने के अलावा किसानों के सामने कटे हुए धान को बचाने की जुगत करनी पड़ेगी। वहीं खरीदी केंद्रों में 17 प्रतिशत से अधिक नमी आने पर धान की खरीदी प्रभावित हो सकती है। किसानों के बारिश आफत बनकर आ रही है।

10 प्रतिशत कटाई शेष

प्रदेश में धान की फसल पककर तैयार होने के बाद किसानों ने दीपावली के बाद कटाई शुरू की थी। अब भी प्रदेश में धान की 10 प्रतिशत खड़ी फसल की कटाई नहीं हो पाई है। बारिश से इन फसलों को नुकसान होने और आगे अगले पांच दिन तक कटाई में व्यवधान के चलते किसानों को दिक्कत हो सकती है। जिन किसानों की फसल कट कई है, उसे बचाने किसानों को फसल अपने घरों में रखनी पड़ेगी। नमी अधिक होने के कारण अभी इसे बेचना मुश्किल होगा।

धान जाम, गड़बड़ाने लगी व्यवस्था

धमतरी जिले में सवा लाख क्विंटल से ज्यादा धान की खरीदी एक दिन में हो रही है। जिले के सभी खरीदी केंद्रों में अब तक 12 लाख 79 हजार 349 क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। उठाव में सुस्ती के चलते अब तक 1 लाख 23 हजार 30 क्विंटल धान का ही परिवहन हो पाया है। शेष 11 लाख 56 हजार क्विंटल धान अभी भी समितियों में जाम पड़ा हुआ है। कई खरीदी केंद्रों की बफर लिमिट काफी कम है। धान का स्टाक ज्यादा होने से वहां पर खरीदी व्यवस्था डगमगाने लगी है। बड़े खरीदी केंद्रों में भी व्यवस्था प्रभावित हो रही है। दो दिन से बारिश और मौसम खराब होने से खरीदी केंद्रों में धान को सुरक्षित रखने के लिए कर्मचारी जुटे हुए हैं।

परिवहन ठप, केंद्रों में लिमिट से दोगुना धान

राजनांदगांव, खैरागढ़ सहित मोहला-मानपुर जिले में परिवहन ठप होने के चलते केंद्रों में धान जाम हो गया है। हालत ये है कि उपार्जन केंद्रों में क्षमता के मुकाबले दो से तीन गुना तक धान का स्टॉक जमा हो गया है। ऐसी स्थिति में अब खरीदी पर संकट के बादल छा गए हैं। जबकि इन तीन जिलों में लगभग 55 हजार किसानों से 28 लाख क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। सबसे बुरा हाल राजनांदगांव जिले का है, जहां 15.67 लाख क्विंटल खरीदी के बाद भी महज 5500 क्विंटल धान का ही उठाव हो पाया है। वहीं खैरागढ़ जिले में 8.50 लाख क्विंटल खरीदी के बाद महज 9670 क्विंटल धान का ही उठाव हो पाया है। मोहला-मानपुर जिले में धान का परिवहन शून्य है।

268 दीपों की जगमग रोशनी के साथ हुआ गुरुपर्व का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

सतनामी समाज के आराध्य बाबा गुरु घासीदासजी की इस माह 18 दिसंबर को 268 वीं जयंती है। इसी कड़ी में रविवार को गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के पदाधिकारियों ने गुढ़ियारी के मिनीमाता चौक, मंगल बाजार, आंबेडकर चौक स्थित पवित्र जैतखाम में 268 दीप जलाकर गुरुपर्व का आगाज किया। अकादमी के प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि दिसंबर माह के लगते ही गुरुपर्व प्रारंभ हो जाता है, जो लगातार 31 दिसंबर तक चलता है। आज जय-जय सतनाम के जयघोष के बीच मुख्य अतिथि छग राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष केपी खंडे ने मंगल आरती के साथ जैतखाम की विशेष पूजा-अर्चना कर प्रथम दीप जलाते हुए प्रदेशवासियों के लिए सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि गुरु घासीदास शोधपीठ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जेआर सोनी, रायपुर नगर निगम अनुसूचित जाति, जनजाति विभाग के अध्यक्ष सुंदर लाल जोगी तथा अकादमी के प्रदेश प्रवक्ता चेतन चंदेल सहित वहां उपस्थित महिलाओं, बच्चों एवं युवाओं ने सामूहिक रुप से अपने-अपने हाथों से एक-एक दीप जलाकर पूरे जैतखाम परिसर को रोशनी से जगमग कर दिया। इस दौरान समाजजनों को अपने-अपने क्षेत्र के सभी पवित्र जैतखाम, घरों के मुख्य द्वार व आंगन में नियमित दीप जलाकर गुरु वंदना, मंगल आरती का आव्हान किया।

- **सभी पवित्र जैतखाम व घरों के मुख्य द्वार पर दीप जलाकर गुरु वंदना करने का आव्हान**

ये रहे उपस्थित : इस अवसर पर पं. अंजोर दास बंजारे, ईश्वर जोगी, दीपक महेश्वर, ओमप्रकाश रात्रे, राधे घृतलहरे, ईश्वर जांगड़े, बलराम गायकवाड़, राजेश बघेल, लखनु मारकंडे, मोहिनी पाटले, तीजन मारकंडे, बिरीज लहरे, देवला लहरे, सूरुज महेश्वरी, शीला बंजारे, संतोषी टंडन, रिया चेलक, मोनिका टंडन, मधु जांगड़े, संगीता गिलहरे, सुरूज गेन्ड्रे, संतोषी डहरिया आदि उपस्थित थे।

अप-डाउन सारनाथ के पहिए आज से 76 दिन तक थमे रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

एक ओर बिलासपुर से कटनी के बीच रद्द करने वाली गाड़ियों की शुरुआत 1 दिसम्बर से कर दी गई है। वहीं रेल प्रशासन ने ठंड और कोहरे को देखते हुए दुर्ग से छपरा के बीच चलने वाली सारनाथ एक्सप्रेस ट्रेन के पहिए को तीन माह के लिए रोकने का आदेश जारी कर दिया है। रेलवे के आदेशानुसार सारनाथ एक्सप्रेस 2 दिसम्बर से 27 फरवरी तक अलग-अलग तिथियों में यानि 76 दिन तक रद्द की जाएगी, जिसके कारण छपरा से दुर्ग और दुर्ग से छपरा के बीच आने जाने वाले 5 लाख 76 हजार यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

- **दुर्ग से छपरा तक 5 लाख 76 हजार यात्रियों का सफर होगा प्रभावित**

दुर्ग से छपरा के बीच चलने वाली सारनाथ

एक्सप्रेस एक ऐसी ट्रेन है, जो चार स्टेट छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के साथ बिहार तक यात्रियों को सफर कराती है। प्रदेश के दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, उसलापुर के अलावा कोरबा, रायगढ़, मुंगेली सहित अन्य जिलों से बड़ी संख्या में लोग बिहार और उत्तरप्रदेश की ओर सारनाथ एक्सप्रेस में सफर करते हैं। इसमें ज्यादातर संख्या अस्थि विसर्जन करने वाले लोगों की होती है, जो इलाहाबाद तक सफर करते हैं। यही ट्रेन पितृ पक्ष के समय इलाहाबाद के साथ बनारस और गया तक भी जाती है।

प्रतिदिन सफर करने वाले यात्रियों की संख्या 72 सौ

आरक्षण कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में सारनाथ एक ऐसी ट्रेन है, जिसमें सतना, मैहर के साथ इलाहाबाद, बनारस और गया की ओर यात्री सफर करते हैं। इस ट्रेन में दुर्ग के अलावा रायपुर, भाटापारा, उसलापुर सहित बिलासपुर, मुंगेली, रायगढ़, कोरबा व अन्य ऐसे जिले जहां ट्रेन का स्टापेज नहीं है। उन जिले से भी यात्री सफर करने के लिए पहुंचते हैं, क्योंकि इलाहाबाद से पहले नैनी के लिए सारनाथ एकमात्र ट्रेन की सुविधा उन्हें मिल जाती है। इसके अनुसार जनरल कोच, स्लीपर कोच और एसी कोच में करीब 72 सौ यात्री सफर करते हैं। इसी तरह छपरा से दुर्ग तक आने वाली सारनाथ की भी स्थिति है। इसकी वजह से ट्रेन में साल भर वेटिंग की स्थिति बनी रहती है।

छपरा-दुर्ग सारनाथ रद्द 26 तक आज से

15159 छपरा से दुर्ग के बीच चलने वाली सारनाथ एक्सप्रेस को 2 दिसम्बर से 26 फरवरी तक अलग-अलग दिनों में रोका जाएगा। इसमें 2, 4, 7, 9, 11, 14, 16, 18, 21, 23, 25, 28 एवं 30 दिसम्बर को, जनवरी माह में 1, 4, 6, 8, 11, 13, 15, 18, 20, 22, 25, 27, 29 को, फरवरी माह में 1, 3, 5, 8, 10, 12, 15, 17, 19, 22, 24 एवं 26 फरवरी को ट्रेन रद्द की जाएगी।

दुर्ग-छपरा सारनाथ 27 तक रद्द कल से

छपरा से दुर्ग की तरह 15160 दुर्ग से उसलापुर होकर छपरा जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस को 3 दिसम्बर से 27 फरवरी तक रद्द किया गया है। इसमें 3, 5, 8, 10, 12, 15, 17, 19, 22, 24, 26, 29 एवं 31 दिसम्बर को, जनवरी माह में 2, 5, 7, 9, 12, 14, 16, 19, 21, 23, 26, 28 एवं 30 को, फरवरी माह में 2, 4, 6, 9, 11, 13, 16, 18, 20, 23, 25 एवं 27 तारीख शामिल है।

बघेल बोले- बारिश से धान को बचाने करें पुख्ता इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल ने तमिलनाडु में आए चक्रवाती तूफान फेंगल के मद्देनजर छत्तीसगढ़ में बारिश की संभावना को देखते हुए धान को बारिश से बचाने सावधानी बरतने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने खाद्य विभाग के सचिव और मार्कफेड के प्रबंध संचालक के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टरों से समन्वय कर धान को बारिश से बचाने पुख्ता इंतजाम करने को कहा है। उन्होंने धान के स्टेक ढंकने तिरपाल आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री श्री बघेल ने बताया कि दूसरे राज्यों से धान की अवैध आवक/परिवहन की रोकथाम के लिए बॉर्डर इलाकों में विशेष निगरानी रखने के लिए चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। धान खरीदी व्यवस्था पर निगरानी के लिए अलग-अलग जिलों के लिए राज्य स्तरीय वरिष्ठ अधिकारियों की टीम बनाई गई है, जो लगातार इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

- **मंत्री ने खाद्य सचिव और मार्कफेड के एमडी को दिए निर्देश**

पेज 09 के शेष ....

क्लैट में सवाल पर बवाल...

और क्लैट विशेषज्ञों का कहना है कि लॉ एडमिशन टेस्ट में सीटिंग अरेंजमेंट से जुड़े एक सवाल में जो विकल्प दिए गए थे, उनमें से सभी विकल्प गलत थे। अर्थात सही जवाब विकल्प में शामिल ही नहीं था। इससे छात्रों में असमंजस की स्थिति निर्मित हुई और इस एक सवाल में लंबा वक्त भी उन्हें देना पड़ा। गौरतलब है कि देशभर में 24 राष्ट्रीय विधि विवि हैं, जहां इस प्रवेश परीक्षा के जरिए छात्रों को दाखिला दिया जाता है। इसमें छत्तीसगढ़ का हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विवि भी शामिल है। पूछे गए 120 सवालों को हल करने के लिए मात्र 120 मिनट का वक्त दिया गया था। अर्थात एक सवाल के लिए मात्र एक मिनट ही अभ्यर्थियों को मिले। ऐसे में सही विकल्प नहीं मिलने के कारण छात्रों का नुकसान हुआ।

बीच में हॉल छोड़ने...

थी। परीक्षा केंद्र के अंदर केवल काले या नीले बॉलपॉइंट पेन, एक एनालॉग घड़ी, एक पारदर्शी पानी की बोतल और एक सरकारी पहचान पत्र ले जाने की अनुमति थी।

फार्म हाउस में आबकारी...

आबकारी विभाग की टीम ने अवंति विहार निवासी राजकुमार निषाद उर्फ राजू कबाड़ी, जोरा निवासी काजल शर्मा, खरोरा, भटिया निवासी जगमोहन भारद्वाज के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई करते हुए शराब जब्त की है। छापे की कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेंद्र तिवारी, आशीष सिंह, वैभव मित्तल एवं आबकारी उपनिरीक्षक प्रकाश देशमुख, कमल कोड़ोपी शामिल रहे। ***पार्टी के दौरान पहुंचा आबकारी अमला*** : सूत्रों के मुताबिक, शगुन फार्म हाउस में शहर के बड़े कारोबारियों की वीकएंड पार्टी चल रही थी। शराब पार्टी आयोजित करने एक दिन के लिए जो लायसेंस बनता है, शराब परोसने वाले ने उक्त लायसेंस नहीं नहीं लिया था। इस बात की जानकारी मिलने के बाद आबकारी विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई की।

43 उद्यानों की देखरेख...

के लिए नई लाइटें, एक्सरसाइज के लिए लगाए गए उपकरणों की देखभाल सहित लैंडस्केपिंग का कार्य शामिल है। दरअसल नगर निगम सीमा क्षेत्र के 43 उद्यानों की देखरेख और संधारण का कार्य एक अरसे से प्रभावित है। नगर निगम का पर्यावरण व उद्यानिकी विभाग के पास बगीचों की देखरेख और उसके सौंदर्यीकरण करने फंड की कमी है। साथ ही विभाग के पास दक्ष कर्मचारी की कमी के चलते उद्यानों में लगाए गए पौधों की कटाई-छंटाई और सिंचाई का काम प्रभावित हुआ है। इसे देखते हुए रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 43 उद्यानों को सूचीबद्ध कर उसकी देखरेख, सौंदर्यीकरण कार्य के लिए एजेंसी तय की है, जो 5 साल तक संबंधित बगीचों की देखरेख का कार्य कराएगी। साथ ही कारी तालाब, नरैया तालाब समेत शहर के 40 तालाबों का मेंटेनेंस कार्य भी ठेके पर दिया गया है। ***इस पर 6 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इन तालाबों के मेंटेनेंस का ठेका*** : 0 मोतीबाग गार्डन 0 जोन 2 लाल चौक देवेंद्र नगर गार्डन, महतारी चौक गार्डन में लैंडस्केपिंग कार्य 0 इंदिरा गांधी चौक कालीबाड़ी, राजीव गांधी चौक, कबीर चौक स्थित गार्डन 0 ऑक्सीजोन गार्डन, विद्या सोसायटी गार्डन शंकरनगर 0 इंद्रावती कॉलोनी गार्डन 0 हॉलीक्रॉस कापा स्कूल के पास स्थित गार्डन 0 गीतांजलि नगर स्थित गार्डन 0 सिद्धि विनायक गार्डन देवेंद्र नगर, सर्वानंद गार्डन, चैतन्य गार्डन देवेंद्र नगर 0 उत्तम वाटिका, संकल्प वाटिका गार्डन डीडीयू नगर 0 घड़ी चौक और आजाद चौक स्थित गार्डन 0 गुलमोहर वाटिका गार्डन, खूबचंद बघेल गार्डन 0 हल्का तालाब गार्डन।

पुलिस विभाग में बड़ी...

तथा उनके द्वारा थानों में रिपोर्ट दर्ज कराने आने वाले पीड़ित के साथ किस तरह का व्यवहार किया जाता है, इस संबंध में हरिभूमि ने प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित की थी। खबर को एसएसपी ने गंभीरता से लेते हुए जिले के अलग-अलग थानों में वर्षों से पदस्थ पुलिसकर्मियों की सूची तैयार कराई। सूची तैयार होने के बाद पुलिसकर्मियों का एसएसपी ने तबादला आदेश जारी किया।

पांच नंबर में एडमिशन फिर भी नहीं मिले छात्र, बीएससी नर्सिंग की ढाई हजार से ज्यादा सीटें लैप्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सौ में महज पांच नंबर पाने वालों को भी एडमिशन देने की सुविधा के मिलने के बाद भी बीएससी नर्सिंग की ढाई हजार से ज्यादा सीटें खाली रह गईं। आईएनसी द्वारा तय तारीख समाप्त होने के बाद ये सीटें लैप्स हो गईं। कुछ ऐसा ही हाल एमएससी और पोस्ट बेसिक नर्सिंग विषय का भी रहा, जहां क्रमशः ढाई सौ और अस्सी सीटें खाली रह गईं।

नर्सिंग की पढ़ाई की इच्छा रखने वालों की संख्या सीमित है, मगर प्रदेश में कॉलेजों की संख्या बेहद अधिक हो चुकी है। इसकी वजह से हर साल सीटों के खाली रह जाती है। राज्य में आठ शासकीय सहित करीब 122 कॉलेजों में बीएससी नर्सिंग के पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है। इस बार भी प्रवेश नियम में संशोधन किए जाने के बाद भी पूरा एडमिशन नहीं हो पाया। पांच नंबर पाने वाले को भी पात्र किए जाने के बाद नया आवेदन बुलाया गया था, इस दौरान नर्सिंग कॉलेजों में 4775 सीटें खाली थीं। निजी कॉलेज प्रबंधन को उम्मीद थी कि इनमें से 80 प्रतिशत सीटों पर एडमिशन हो जाएगा, मगर अनुमान वास्तविकता के विपरीत हो गया। आवेदन करने वालों की संख्या 2215 पर सिमटकर रह गई। इसमें से 98 प्रतिशत लोगों ने प्रवेश लिया, लेकिन सीटों का फुल होना संभव नहीं था।

इस बार नर्सिंग कॉलेजों में पढ़ाई करीब ढाई हजार कम विद्यार्थियों के साथ पूरी की जाएगी। इसी तरह एमएससी और पोस्ट बेसिक नर्सिंग विषयों का हाल भी कुछ अच्छा नहीं है। नए आवेदन के पहले एमएससी की 306 तथा पोस्ट बेसिक की 134 सीटें खाली थीं। अंतिम दिन बीतने के बाद एमएससी की 252 और पोस्ट बेसिक नर्सिंग की 79 सीटें खाली रह गईं।

हरिभूमि फॉलोअप

संशोधन के बाद मंगाए थे नए आवेदन, 98 फीसदी ने लिया प्रवेश

खामियां ही खामियां

प्रदेश में मौजूद नर्सिंग कॉलेजों की संख्या काफी अधिक है। इनमें सुविधाओं का अभाव होने की बातें भी सामने आती हैं। कॉलेजों की क्वालिटी और मौजूदा सुविधाओं का हर साल गठित समिति निरीक्षण करती है। शुरुआती दौर में कमियों की बात सामने आती है, फिर समझाइश और चेतावनी जैसी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें प्रवेश की अनुमति दे दी जाती है।

नर्सिंग कालेजों में बीएससी की 4700 सीटें खाली, एडमिशन के लिए हरी झंडी का इंतजार
चिकित्सा शिक्षा संचालनालय बीओ पदस्थापना करने भेज चुका चिट्ठी

- नर्सिंग की पढ़ाई की इच्छा रखने वालों की संख्या सीमित है, मगर प्रदेश में कॉलेजों की संख्या बेहद अधिक हो चुकी है

खबर संक्षेप

अमलीडीह पुलिस कॉलोनी में मनाया संविधान दिवस

रायपुर। देश के संविधान को 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पुलिस कॉलोनी अमलीडीह में विगत दिनों संविधान दिवस को हीरक जयंती के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संविधान निर्माता, विश्व रत्न डॉ. बाबा साहब आंबेडकर के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में बच्चों और बड़ों के लिए क्विज प्रतियोगिता, बच्चों के लिए चित्र प्रतियोगिता, ग्रुपिंग डांस, संविधान से संबंधित स्पीच कार्यक्रम रखा गया था। साथ ही महिलाओं का सरपंच की भूमिका में उनके अधिकार और कर्तव्य, पुरुषों के लिए जनप्रतिनिधि के तौर पर उनके अधिकार तथा कर्तव्य एवं अन्य विषयों पर व्याख्यान हुआ। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आने वाले बच्चों और बड़ों को कप और मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दीप्ति बंजारे, सुरेंद्र चंद्रा, महेश बंजारे, रामकुमार कुर्रे, दिवाकर, प्रमित पाल साहू, राकेश सिंह, भुवनेश्वरी एवं अन्य उपस्थित थे।

महिलाओं के लिए मेंहदी क्लास का आयोजन

रायपुर । केयर स्किल फाउंडेशन, महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से, एक विशेष मेंहदी कला प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। यह कार्यशाला न केवल महिलाओं को एक पारंपरिक कला सिखाने का अवसर देगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने और रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने में भी मदद करेगी। लक्ष्यः महिलाओं और युवाओं को मेंहदी कला में प्रशिक्षित करना और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना। अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा मेंहदी कला की ट्रेनिंग। पारंपरिक और आधुनिक डिज़ाइनों पर फोकस। सभी प्रतिभागियों को निशुल्क प्रशिक्षण और प्रमाणपत्र। यह कक्षा 18 नवंबर 2024 को ग्राम-कोलर, वि.ख.- अभनपुर, जिला-रायपुर में प्रारंभ हुआ था।

शिवसेना शिंदे गुट की बैठक, कई मुद्दों पर चर्चा

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित एक निजी होटल में विगत दिनों शिवसेना छत्तीसगढ़ शिंदे गुट की प्रदेश स्तरीय बैठक हुई। इस बैठक में प्रदेश के सभी जिलाध्यक्ष और पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में आगामी हिंदू राष्ट्र को लेकर दिल्ली धरना, नगरीय निकाय चुनाव के संदर्भ में चर्चा की गई। साथ ही प्रदेश प्रमुख धनंजय सिंह परिहार ने रायपुर में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की, जिसमें शिवसेना के जिला महासचिव गोविंद साहू, जिला उपाध्यक्ष देवराज साहू, जिला सचिव सोनू साहू को बनाया गया। इसी प्रकार कामगार सेना के जिला सचिव लीलाधर यदु, सचिव जीतेंद्र ध्रुव, धरसींवा सचिव टामन साहू के अलावा युवा सेना के सचिव निखिल बिसेन, पीयूष बिसेन को ग्राम अम्लेश्वर अध्यक्ष युवा सेना के पद पर नियुक्त किया गया। बैठक में प्रदेशभर से सैकड़ों की संख्या मे शिवसैनिक उपस्थित रहे।

खाड़ी की नमी का सर्वाधिक असर मध्य हिस्से में

सर्द हुआ मौसम... बादलों से सात डिग्री लुढ़का पारा, रिमझिम फुहारों से शीत दिवस का माहौल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी के प्रभाव में प्रदेश का मौसम बदला हुआ है। छाए बादल, हवा की अधिक गति और पड़ रही फुहारों की वजह से राजधानी का तापमान सात डिग्री नीचे जाने से शीत दिवस की स्थिति बन गई है। दोपहर बाद राजधानी में भी हल्की वर्षा का दौर शुरू हुआ, जो देर शाम तक जारी रहा।

चक्रवात फेंगल के तटीय इलाके में आने की वजह से राज्य का मौसम पूरी तरह बदल चुका है। इसका ज्यादा असर रायपुर समेत मध्य तथा रायगढ़ सहित उत्तरी हिस्से में ज्यादा हुआ है। रविवार सुबह से छाए बादल और होने वाली बूंदाबांदी की वजह से सूरज के दर्शन नहीं हुए। चल रही ठंडी हवाओं से माहौल बदला रहा और लोगों को दिन में गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ा। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार, रायगढ़ और बलौदाबाजार में रात से हल्की बारिश शुरू हो गई थी और रायपुर समेत आसपास के इलाकों में इसका प्रभाव रविवार को सुबह होने के बाद दिखाई पड़ा। राजधानी में सुबह के वक्त हल्की बौछारें पड़ीं, जिसकी वजह से दिन का तापमान चढ़ना शुरू नहीं हो पाया। दोपहर होने के बाद यहां फुहारों का दौर शुरू हुआ, जो देर शाम तक चलता रहा। बदली-पानी की वजह से रायपुर शहर का तापमान सामान्य से सात और माना का पारा सामान्य से आठ डिग्री कम दर्ज किया गया, जिससे यहां कोल्ड डे की स्थिति बनी रही।

सर्दी या बारिश के कपड़े

राजधानी में सुबह से तापमान कम होने की वजह से लोगों ने स्वेटर, जैकेट जैसे गर्म कपड़ों का उपयोग किया था। दोपहर से शुरू हुई फुहारों का दौर करीब तीन घंटे तक जारी रहा। इससे लोगों को यह समझ में नहीं आया कि आवाजाही करने के दौरान ठंड से बचने के कपड़े पहनें अथवा भीगने से बचने बरसाती कपड़े का उपयोग करें। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि नवंबर-दिसंबर के दौरान इस तरह की स्थिति अक्सर बनती है।

दोपहर बाद फुहारों का दौर देर शाम तक जारी रहा

आज बदलाव नहीं

मौसम विभाग के विशेषज्ञों के अनुसार, बारिश होने की वजह से रायपुर समेत उत्तरी हिस्सों में सुबह के वक्त कोहरा रहने की उम्मीद है। सोमवार को भी मध्य हिस्से में फुहार और बस्तर में गरज-चमक के साथ अनेक स्थानों पर वर्षा होने का अनुमान है। 3 दिसंबर से सरगुजा संभाग में छाए बादल छंटने शुरू होंगे, जिससे वहां न्यूनतम में गिरावट और अधिकतम तापमान में वृद्धि प्रारंभ होने की उम्मीद है। मध्य हिस्से में दूसरे सप्ताह से रात में ठंड बढ़ने की संभावना है।

ऐसा रहा मौसम

शहर	अधिकतम	अंतर	न्यून. तापमान	अंतर
रायपुर	22.8	-6.9	18.8	+3.3
माना	21.6	-8.2	19.2	+3.9
बिलासपुर	27.4	-1.2	17.6	+2.3
पेंड्रा	26.3	-0.6	12.2	-0.5
अंबिकापुर	26.9	+2.3	10.4	-0.5
जगदलपुर	26.8	-2.5	21.0	+8.0

कान्हा का बाघ चार सौ किलोमीटर चलकर पहुंचा एटीआर को बनाया ठिकाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- कान्हा में जनवरी-फरवरी में कैमरे में ट्रैप हुआ था बाघ
- बाघ की पहचान कान्हा के टी-200 के रूप में हुई है

मध्यप्रदेश स्थित कान्हा टाइगर रिजर्व के बाघ को छत्तीसगढ़ के अचानकमार टाइगर रिजर्व में देखे जाने की पुष्टि मध्यप्रदेश के वन अफसर कर रहे हैं। बाघ की पहचान कान्हा के टी-200 के रूप में अफसर कर रहे हैं। कान्हा के बाघ का एटीआर में देखा जाना एक शुभ संकेत है। इससे बाघों के कॉरिडोर की मजबूती को बल मिलता है। मध्यप्रदेश के वन अफसर के मुताबिक, बाघ 400 किलोमीटर की दूरी तय कर कान्हा पहुंचा है।
कान्हा टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर पुनीत गोयल के अनुसार, अचानकमार टाइगर रिजर्व में लगाए गए कैमरों में एक नया बाघ स्पॉट हुआ। इसके बाद उन्होंने एनटीसीए में बाघ की आईडी जनरेट करने की कार्रवाई की। जहां इसकी पहचान कान्हा के बाघ टी-200 के तौर पर हुई। यह बाघ कान्हा के कैमरों में जनवरी-फरवरी में ट्रैप हुआ था और उसके बाद इसकी आईडी जनरेट हुई।

आवाजाही से जेनेटिक लाभ

जानकारों के मुताबिक, कॉरिडोर से किसी भी प्रजाति के वन्यजीवों की आवाजाही बढ़ती है तो जीन फ्लो होता है। इस जीन डाइवर्सिटी से जेनेटिक में फायदा होगा। जलवायु परिवर्तन या कोई बीमारी फैलती है तो जितनी जेनेटिक विविधता होगी, प्रजाति के उतनी ही अधिक बचे रहने की संभावना रहेगी।

संख्या बढ़ाने कॉरिडोर को मजबूत करने की जरूरत

गौरतलब है कि राज्य के अचानकमार के साथ इंद्रावती तथा गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व में पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश तथा महाराष्ट्र टाइगर रिजर्व के बाघ नियमित रूप से यहां आवाजाही करते हैं। बाघ जिस रूट से आवाजाही करते हैं, उनमें कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां लोग कृषि कार्य करने के साथ रहवासी क्षेत्र के रूप में उपयोग कर रहे हैं। राज्य में बाघों की संख्या बढ़ाने शासन के साथ वन विभाग को बाघ का कॉरिडोर मजबूत करने की जरूरत है। साथ ही वनों में जिन लोगों ने अवैध कब्जा किया है, उन्हें बेदखल करने की जरूरत है।

साइंस कॉलेज चौपाटी के 64 स्टॉल आमानाका ओवरब्रिज वेंडिंग जोन में करेंगे शिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- जोन-7 ने 5 दुकानों का किया विस्थापन, बाकी की शिफ्टिंग जल्द
- स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 5 करोड़ खर्च कर सालभर पहले बनवाई स्मार्ट चौपाटी

राजधानी के जीई रोड स्थित साइंस कॉलेज मैदान में बनाई गई चौपाटी के स्टॉल अब आमानाका ब्रिज के नीचे बन रहे वेंडिंग जोन में शिफ्ट किए जाएंगे। नगर निगम जोन 7 की टीम ने शनिवार को 5 बंद पड़े स्मार्ट कियोस्क को क्रेन की मदद से ओवरब्रिज के नीचे शिफ्ट कराया। बाकी के स्टॉल को जल्द विस्थापन कर नए वेंडिंग जोन में शिफ्ट कराया जाएगा। स्मार्ट चौपाटी में खानपान के 64 स्टॉल संचालित हैं।

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा साइंस कॉलेज खेल मैदान के सामने 5 करोड़ खर्च कर बनवाई गई चौपाटी सालभर भी संचालित नहीं हो पाई। चर्चित चौपाटी के खानपान के स्टॉल हटाने का काम नगर निगम जोन-7 ने शुरू कर दिया है। स्मार्ट सिटी के अधिकारियों का कहना है, 10 दिन के अंदर बाकी स्टॉल भी नए वेंडिंग जोन में शिफ्ट कराए जाएंगे। अधिकारियों का यह दावा है कि खाली कराई जाने वाली जगह पर युवाओं के लिए यूथ हब जैसी सुविधा विकसित कराई जाएगी। इधर चौपाटी में किराए पर लेकर खानपान का स्टॉल चलाने वाले वेंडरों में निगम के रवैये को लेकर आक्रोश व्याप्त है।

25 से 30 हजार हर माह देने वालों को झटका

राजधानी के प्राइम लोकेशन पर स्थित साइंस कॉलेज चौपाटी में जिन लोगों के एक-एक स्टॉल का 25 से 30 हजार रुपए प्रति महीने किराया देकर कारोबार शुरू किया, उन्हें इससे बड़ा झटका लगा है। सूत्रों के मुताबिक, चौपाटी से बेदखल छोटे कारोबारियों में निगम के रवैये को लेकर आक्रोश व्याप्त है। भुक्तभोगियों का कहना है, शुरू में 2- 3 माह तक किराया तक नहीं निकाल पाए थे, जब लोगों का चौपाटी में आना-जाना बढ़ने लगा तो हमें चौपाटी से बेदखल किया जा रहा है, यह गलत है। कुछ लोगों का ये भी कहना है, मुख्य मार्ग में व्यवसाय की संभावना को देखते हुए उन्होंने छोटे पैमाने पर कारोबार शुरू किया था, अब जिस जगह पर उनके खानपान के स्टाल को शिफ्ट किया जा रहा है, वहां तो दुकान का किराया निकलना मुश्किल हो जाएगा।

10 दिनों में होगी शिफ्टिंग

साइंस कॉलेज के सामने स्थित चौपाटी को आमानाका ओवरब्रिज के नीचे वेंडिंग जोन में शिफ्ट किया जा रहा है। दस दिनों तक यह शिफ्टिंग चलेगी। खाली कराई जा रही जगह पर युवाओं के लिए नई सुविधा विकसित करेंगे।

- पीके पंचायती, अतिरिक्त महाप्रबंधक तकनीकी, रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड

विवादों में रही साइंस कॉलेज की स्मार्ट चौपाटी

विदित हो, 2022-23 में एजुकेशन हब वाले एरिया में रायपुर स्मार्ट सिटी द्वारा 5 करोड़ की लागत से बनवाई खासी चौपाटी का खास विरोध भी हुआ। भाजपा नेताओं ने इसका विरोध करते हुए प्रदर्शन भी किया। खासकर के पूर्व मंत्री व क्षेत्र के विधायक राजेश मूणत ने एजुकेशन हब चौपाटी बनाने का विरोध करते हुए जीई मुख्य मार्ग के सड़क किनारे पंडाल लगाकर भाजपा पार्षदों के साथ धरना भी दिया। यहीं नही एजुकेशन हब में चौपाटी बनाने को लेकर दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री से शिकायत की गई। इसके बाद भी चौपाटी निर्माण बंद नहीं हुआ। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद यह चौपाटी ज्यादा दिन नहीं चल पाई।

रिंगरोड-हाईवे पर नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- शंकर नगर, पंडरी में अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई
- चार सौ से ज्यादा वाहन चालकों का चालान

एसएसपी के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस तथा पुलिस की संयुक्त टीम ने हाईवे तथा रिंगरोड पर एक्सीडेंट रोकने सर्विस रोड पर खड़ी गाड़ियों के मालिकों के खिलाफ नो पार्किंग की कार्रवाई की है। ट्रैफिक पुलिस ने चार सौ से ज्यादा वाहन चालकों तथा मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की है। ट्रैफिक पुलिस ने रिंगरोड-1 तथा 2 के साथ ही हाईवे से सटे सर्विस रोड पर वाहन पार्क करने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, रिंगरोड में नो पार्किंग एरिया में खड़े 70 वाहन मालिकों तथा चालकों से जुर्माना वसूला गया है। इसमें ट्रक से लेकर ऑटो, बस तथा अन्य मालवाहक वाहन शामिल हैं। इसी तरह ट्रैफिक पुलिस ने निगम कर्मियों के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए पंडरी तथा शंकरनगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, रोड पर अतिक्रमण कर दुकान लगाने वालों की वजह से ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित होती है। इस कारण अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

किरायेदारों को किफायती आवास योजना, नगर निगम ने दो साल में बांटे 9 हजार ईडब्लूएस फ्लैट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर में किराए के मकान में रहने वाले 9 हजार परिवारों को नगर निगम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किरायेदारों को किफायती आवास स्कीम में 2 साल में 9 हजार बहुमंजिला ईडब्लूएस फ्लैट उपलब्ध कराए हैं। इससे जहां हजारों परिवारों को किराए के मकान में रहने से मुक्ति मिली है, वहीं हितग्राही अंशदान के रूप में राज्य शासन को 190 करोड़ रुपए मिलेंगे। जबकि नगर निगम के राजस्व के नए वित्त वर्ष से 9 हजार नए करदाता जुड़ेंगे। इससे नगर निगम को करों के रूप में एक निश्चित रकम मिलनी शुरू हो जाएगी।

- राज्य शासन को 190 करोड़ का हितग्राही अंशदान मिलेगा
- नगर निगम के टैक्स में होगी वृद्धि, 9 हजार नए करदाता जुड़ेंगे

दरअसल रायपुर नगर निगम के 10 जोन में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के हितग्राहियों को शासन की योजना के तहत पक्के आवास उपलब्ध कराने नगर निगम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 11 हजार से अधिक बहुमंजिला ईडब्ल्यूएस आवास का निर्माण कराया, जिसमें नियमानुसार झुग्गी बस्ती व्यवस्थापन के तहत पात्र परिवारों को पक्के आवास में विस्थापित करने की योजना रही। एक अरसे तक संबंधित आवासों में प्रभावित परिवारों का विस्थापन नहीं होने से ये आवास खाली रह गए। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने खाली पड़े ईडब्ल्यूएस आवास

को खंडहर होने से बचाने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किरायेदारों के लिए किफायती आवास स्कीम के तहत शहर के अलग-अलग लोकेशन पर निर्मित ईडब्लूएस आवास का आवंटन करने ऑनलाइन आवेदन पत्र मंगाए गए। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि 11 हजार रिक्त ईडब्ल्यूएस आवास में से 9 हजार ईडब्लूएस आवास नियम के तहत ऑनलाइन आवेदन मंगाकर दस्तावेजों की जांच उपरांत पात्र हितग्राहियों को लॉटरी निकालकर आवंटित किए गए हैं। इससे पिछले 2 साल में 190 करोड़ रुपए हितग्राही अंशदान के रूप में राज्य शासन को 190 करोड़ रुपए मिलेंगे।

पीएमवाई-2 के लिए 10 दिसंबर तक सर्वेक्षण

केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना-1 में वर्ष 2015 तक पात्र हितग्राहियों का चयन कर पक्के आवास आवंटन में प्रमुखता दी गई। हाल ही में पीएमवाई-2 योजना का विस्तार करते हुए साल 2016 से 31 दिसंबर 2024 तक आवेदकों को इसमें मौका दिया गया है। योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन करने नगर निगम के दस जोन के 70 वार्डों में 10 दिसंबर तक सर्वेक्षण का कार्य निगम अमले द्वारा किया जा रहा है।

चार संभागों को मिले 83 चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल की पहल पर संविदा नियुक्ति आदेश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और सरगुजा संभाग के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में 83 चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर रायपुर को 31, दुर्ग को 27, बिलासपुर को 22 तथा सरगुजा को 3 डॉक्टर मिले हैं।

एमबीबीएस और एमडी-एमएस की पढ़ाई पूरी कर चुके चिकित्सकों को संविदा आधार पर विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्ति दी जा रही है। इससे लोगों को छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के लिए बड़े अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इसी दौर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा नवीन संविदा चिकित्सा अधिकारियों की पदस्थापना के आदेश जारी किए गए हैं। इनमें रायपुर संभाग में चिकित्सा अधिकारी के रूप में डॉ. शुभम विश्वकर्मा, डॉ. प्रिदम्बिनी नायक, डॉ. तोयेष चंद्राकर, डॉ. स्मृति इंगोले, डॉ. साहिल कुमार, डॉ. मिलनदीप

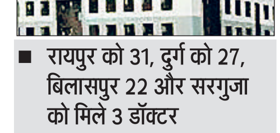

- रायपुर को 31, दुर्ग को 27, बिलासपुर 22 और सरगुजा को मिले 3 डॉक्टर

कौर, डॉ. देवांग शाह, डॉ. नीलम जायसवाल, डॉ. चंद्रशेखर जायसवाल, डॉ. वाय. मुनमुन, डॉ. यशवंत सोनी, डॉ. दीक्षा थवाईत, डॉ. ऋतम्भरा शर्मा, डॉ. वैशाली चौरसिया, डॉ. यूसुफ उस्मानी, डॉ. एम. शिवानी राव, डॉ. निशा पैकरा, डॉ. शिखा शुक्ला, डॉ. सोनाली अवधिया, डॉ. सुब्रनिल घोष, डॉ. सचिन अग्रवाल, डॉ. अम्मूनाथ अनमोल पांडेय, डॉ. प्रशांत कुमार पांडेय, डॉ. अदिबा खान, डॉ. श्रेया मुखर्जी, डॉ. एशिनी अग्रवाल, डॉ. प्रीति खलखो, डॉ. विकास सिंह, डॉ. विपिन कुमार सिंह, डॉ. संग्राम येरेवार, डॉ. मयंक शर्मा व बिलासपुर संभाग हेतु डॉ. सावी शुक्ला, डॉ. सोनाली प्रकाश, डॉ. धनंजय कुमार निर्मलकर, डॉ. विवेक पटेल, डॉ. कृष्ण कुमार कुम्भकार, डॉ. अदिति सिंह, डॉ. नीलमणि सिंह, डॉ. जॉन कुजूर, डॉ. पूजा सिंह, डॉ. निशि निर्मलकर, डॉ. प्रफुल्लता कंवर, डॉ. अमीशा टेकाम, डॉ. पूर्णिमा कंवर, डॉ. दिव्या अंकित रोहलेदार, डॉ. अनुभूति नंद, डॉ. अदिति मारिया लाकरा, डॉ. रितीशा वेरोनिका थॉमस, डॉ. प्रियंका सिंह पैकरा, डॉ. संदीप पटेल, डॉ. ज्योत्सना गुप्ता, डॉ. स्मृति रानी लकड़ा, डॉ. त्रिलोक जागीतानाथ हिमधर व दुर्ग संभाग हेतु डॉ. कृति ठाकुर, डॉ. दामिनी नाग, डॉ. शशांक बारले, डॉ. प्रिया चंदानन, डॉ. श्रीयम शुक्ला, डॉ. सुदीप्ता पाल, डॉ. संध्या कंवर, डॉ. सौरीन चटर्जी, डॉ. सुधांशु शेखर सेनापति, डॉ. नवेद मालिक, डॉ सुलेखा विंध्यराज, डॉ. मोनिका मरकाम, डॉ. हितेश प्रसाद पात्रे, डॉ. अंजलि आर. जोसेफ, डॉ. प्रणय दत्ता, डॉ. मोहम्मद असहर खान, डॉ. पलक मेश्राम, डॉ. रुपाली सिंह, डॉ. राजेश्वर प्रसाद हेटली, डॉ. अवधेश सिदार, डॉ. प्रतीक साहू, डॉ. प्रियंका गेन्ड्रे, डॉ. मो. अरशद अंसार, डॉ. सैयद ताजिश अली, डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव, डॉ. योगिता पांडरे, डॉ. भाविका टंडन के साथ सरगुजा संभाग हेतु डॉ. भोजमनियां, डॉ. प्रेमा कुजूर व डॉ. अभिषेक नामदेव को विभिन्न जिलों में पदस्थ किया गया है।

कार्यक्रम का शानदार संचालन करते हुए आईएनएच की वरिष्ठ एंकर सोनल भारद्वाज

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता और महासचिव मोती जैन व खेल एवं युवा कल्याण विभाग का विशेष सहयोग रहा।

विदेशी धावकों में भी दीवानगी

शिल्पा गोयल शहर स्थित निजी विद्यालय की पीटी टीचर है, जो मेराथॉन में भाग लेने के लिए 18 बच्चों के साथ तेलीबांधा परिसर पहुंची। इसमें 5वी, 6वीं और 7वीं कक्षा के विद्यार्थी शामिल हुए। प्रतियोगिता के दौरान सभी छात्र-छात्राओं ने 5 किलोमीटर की दौड़ में हिस्सा लिया। नन्हे कदमों ने धीरे-धीरे ही सही लेकिन स्पर्धा को पूर्ण किया। आयोजन से पहले रोजाना स्कूल परिसर में 1 घंटा दौड़ की प्रैक्टिस कराई गई, जिससे वे लंबी दूरी भी सरलता से पूरा कर सके।

नाइजीरिया से आए और रायपुर में अध्ययनरत स्टेवेन ने बताया, पहली बार मेराथॉन में हिस्सा लेने का मौका मिला। दौड़ के लिए महाविद्यालय के दोस्तों ने प्रोत्साहित किया, स्पर्धा में 5 किलोमीटर की दौड़ यादगार रही। दौड़ से पहले महाविद्यालय परिसर में रोजाना प्रैक्टिस किया, जो स्पर्धा के दौरान फायदेमंद साबित हुआ।

कक्षा 12वीं के छात्र मनीष साहू ने बताया, 17 मिनट में दौड़ पूरी हुई। शहर में आयोजित अनेक दौड़ प्रतियोगिता में शामिल होते हैं, इससे शरीर में फुर्ती बनी रहती है। भविष्य में अग्निवीर में शामिल होने की इच्छा है, जिसके लिए फिजिकल फिट होना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।

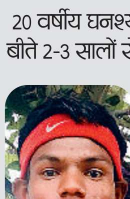
20 वर्षीय घनश्याम निषाद ने बताया, बीते 2-3 सालों से 5-6 दौड़ प्रतियोगिता में शामिल होने का मौका मिला। यह आयोजन उत्साव एवं फुर्ती से भरा रहा, जहां स्पर्धा के शुरुआत से अंत तक प्रतिभागियों में उत्साह देखते ही बन रहा था। तेलीबांधा में आयोजित 5 किलोमीटर की दौड़ में भी तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। उपहार के अलावा जीत की खुशी है।

पुरण निषाद ने बताया, आने वाले साल 2025 के जून माह में अग्निवीर का फिजिकल परीक्षा होगी, इसमें दौड़ का विशेष महत्व है। मेराथॉन में भाग लेने का मुख्य उद्देश्य दौड़ने की गति एवं समय की जानकारी एकत्र करना रहा। जिससे दौड़ने के समय का आकलन लगाया जा सके।

हरिभूमि और आईएनएच के फ्रीडम रायपुर रन मैराथन में बच्चे, युवाओं समेत बुजुर्ग, दिव्यांग ने मिलकर लगाई दौड़

जोश और जुनून ने कठिन राह को बनाया आसान

प्रसन्नता का पल, सफल आयोजन के बाद हरिभूमि व आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ संस्थान के साथी

सेहत को दुरुस्त रखने और दिन को तरोताजा बनाने के लिए रविवार को प्रदेश के सबसे प्रतिष्ठित अखबार दैनिक हरिभूमि और टीवी चैनल आईएनएच न्यूज के फ्रीडम रायपुर रन मैराथन में लोगों का जनसैलाब उमड़ा। ठंड और हल्की बारिश के बीच प्रतिभागियों में गजब का उत्साह देखने को मिला। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने मिलकर मैराथन को यादगार बनाया। राजधानी वासियों ने अपनी दिन की शुरुआत मरीन ड्राइव में जुंबा डांस और व्यायाम के साथ की। इसके बाद पूरी ऊर्जा के साथ 10 और 5 किलोमीटर की लंबी दौड़ लगाकर खुद को फिट बनाया।

रायपुर। दौड़ को लेकर लोगों में उत्साह इस कदर था कि कई धावक सुबह 5 बजे से ही मरीन ड्राइव में पहुंच गए थे। इस दौरान कुछ नंगे पाव ही दौड़े तो ज्यादातर लोगों ने स्पोर्ट्स ट्रैक सूट के साथ लंबी दौड़ लगाई। इस दौरान खास बात यह भी रही कि जिन्होंने पंजीयन नहीं कराया था वह भी दौड़े। प्रतिभागियों के लिए पानी और एनर्जी ड्रिंक की विशेष व्यवस्था की गई थी।

नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे का सम्मान करते आईटी हेड संजीव दीवान

नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे का सम्मान करते प्रसार हेड अनंत राम साहू

छग ओलंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया को स्मृति चिन्ह भेंट करते आईएनएच के पीसीआर हेड सोनू कुमार

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी का सम्मान करते नेहा श्रीवास्तव और अमित वर्मा

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी का सम्मान करते एजीएम नीलेश द्विवेदी

आत्मविश्वास संग बच्चों ने बढ़ाए कदम

नन्हें बच्चों ने भी दौड़ लगाकर लोगों को सेहत के प्रति जागरूक किया। मरीन ड्राइव में हजारों की संख्या में लोगों का जमावड़ा और उनमें दौड़ पूरी करने का जज्बा देखते ही बनता था। राजधानी में सुबह भोर फटने के पहले ही खेल को चाहने वाले उसके प्रशंसक व धावक स्टार्ट प्वाइंट पर पहुंच गए थे। धावकों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ उसने अपने कदम बढ़ाए और दौड़ पूरी करने में सफलता हासिल की।

छग ओलंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया का सम्मान करते आईएनएच की असाइनमेंट हेड विनय त्रिवेदी

एसएसपी संतोष सिंह का सम्मान करते आईएनएच के संवाददाता गौरव शर्मा

कार्यक्रम में धवल द्विवेदी भी पहुंचे

विजेताओं ने कहा...

एग्जाम देने से पहले लगाई दौड़, बनी विजेता

मैराथन में 5 किलोमीटर में दौड़ में प्रथम विजेता प्रियंका साहू और वर्षा दीवान ने बताया कि एग्जाम देने रायपुर आए थे, लेकिन मैराथन की जीत ने दिन को यादगार बना दिया। उनका कहना है कि हम नियमित दौड़ लगाते हैं। यह अभ्यास विगत 10 सालों से चल रहा है। मैराथन में हम जीतेंगे इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन जब दौड़ शुरू हुई तो आत्मविश्वास भी बढ़ गया और देखते ही देखते हम जीत के करीब पहुंच गए।

हर स्पर्धा में हिस्सा

इसके अलावा 10 किलोमीटर के विजेता बाबू गुर्जर ने कहा, एक धावक के रूप में हर प्रतियोगिता में हिस्सा लेता हूं। 10 किलोमीटर की दौड़ रोज करता हूं। मुझे भरोसा था कि मैराथन में अच्छा प्रदर्शन दिखा सकता हूं। फीट रहने के लिए दौड़ जरूरी है। इसके अलावा महिला वर्ग में विजेता मीरा ने बताया कि मैराथन को लेकर काफी उत्साहित थी। इतने लोगों के बीच प्रथम आना मेरी लिए मुश्किल था, लेकिन दौड़ लगाने के बाद कब जीत के करीब पहुंच गई पता ही नहीं चला। मैराथन में आत्मविश्वास को और भी मजबूत कर दिया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव का सम्मान करते हुए हरिभूमि व आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी

उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा का सम्मान करते हुए हरिभूमि के स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का सम्मान करते हुए हरिभूमि के संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह

हरिभूमि के ऑफिस बॉय ठाकुरराम देवदास ने रिकार्ड समय में पूरी की पांच किलोमीटर की मैराथन

न्यू गार्डन योगा जुंबा ग्रुप के विद्या, अविनाश, रोशनी, अजय, निलेश, योगी, इशु, पल्लवी व मनीषा ने जमकर कराया डांस

जुंबा डांस ने माहौल किया गर्म

मैराथन से पहले जुंबा डांस ने सुबह के ठंडे माहौल को चंद मिनटों में गर्म कर दिया। बॉलीवुड सांग पर डांस ट्रेनर ने मंच से लोगों को डांस स्टेप्स फॉलो करने को कहा। इस दौरान ये लड़की आंख मारे.., तेरी आंखों का काजल... समेत रिमिक्स गानों की धून ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। मंच में खेल मंत्री टंकराम वर्मा, पद्मश्री अनुज शर्मा व चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अमर परवानी के साथ हरिभूमि व आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह ने अपने डांस स्टेप्स के जरिए लोगों को वर्कआउट कराया। दौड़ के बाद ढोल और नगाड़े के साथ प्रतिभागी भी जमकर डांस करते नजर आए।

नाइजीरियन छात्र एमिली ने कहा, रोजाना जिम जाने से शरीर में फूर्ती बनी रहती है। कॉलेज दोस्तों के साथ दौड़ में शामिल हुआ, जो यादगार रहा। दौड़ के शुरुआत में असंभव सा लग रहा था, लेकिन थोड़े वक्त के बाद 5 किलोमीटर की दौड़ सामान्य लगी। राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में पहली बार शामिल होने का मौका मिला।

नाइजीरियन तावेनी ने बताया, मेराथॉन विद्यार्थी जीवन का अच्छा अनुभव है। स्पर्धा से पहले कॉलेज में दौड़ की प्रैक्टिस की, इससे दौड़ने में सहायता मिली। प्रतियोगिता के अवसर पर प्रतिभागियों को साथ में दौड़ता देखकर प्रोत्साहन मिला।

विदेश छात्र कैरेलाइन ने बताया, पहली बार मेराथॉन में शामिल हुई। लोगों का उत्साह देखकर मुझे भी मोटिवेशन मिला। दोबारा अन्य मेराथॉन में भी शामिल होने की इच्छा है।

दीपिका सेन और लोकेश कोसरे दोस्तों के साथ 3-4 वर्षों से लगातार सभी मेराथॉन में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करने का यह सबसे अच्छा माध्यम है। इससे लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आ सकता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए रोजाना 2 घंटे दौड़ते हैं, जिसके कारण हमें आदत बन गई है।

फ्रीडम रिफाइंड सन फ्लावर ऑइल के एरिया सेल्स मैनेजर विनोद नैय्यर

बाफना बायोटेक के डायरेक्टर अमित बाफना हुए सम्मानित

आईबी ग्रुप से राहुल देवांगन, प्रमोद श्रीवास्तव हुए सम्मानित

रामा टीएमटी के ब्रांडिंग हेड स्वामी संवर्धन शर्मा सम्मानित हुए

शारदा डेयरी रायपुर के सीनियर जनरल मैनेजर सेल्स एंड मार्केटिंग के तुषार कांति रॉय हुए सम्मानित

आयरन लाइफ से डॉ. ग्लैडसन जॉनसन श्रीकांत व सुनील हुए सम्मानित

रूंगटा आर-1 एजूकेशन ग्रुप के प्रो. हीरा साहू हुए सम्मानित

समाज लाइव

शिक्षकों सहित चिकित्सकों इंजीनियर्स ने दिया परिचय

रायपुर। छत्तीसगढ़ सर्व गड़रिया समाज महासंघ की पहल पर महादेव घाट स्थित सामाजिक भवन में शिक्षित युवक-युवती को परिचय देने के लिए मंच सजाया गया। रविवार को 6 फिरकों के लोगों को एक मंच से जोड़ने के लिए यह आयोजन हुआ। समाज के लोगों की मौजूदगी में दोपहर 12 बजे महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण महतो, महासचिव अजय हंसा और कोषाध्यक्ष मनोज धनगर सहित सभी पदाधिकारियों के प्रयासों से सम्मेलन शुरू हुआ। समाज के चार हजार लोगों के बीच शिक्षक, शिक्षिका, डॉक्टर और इंजीनियर्स ही नहीं बल्कि खेती व व्यावसाय से जुड़े लोगों ने परिचय दिया।

सामुहिक विवाह पर दें जोर

सम्मेलन के दौरान समाज प्रमुखों ने भी अपना परिचय देते हुए भावी योजना और आयोजनों के बारे में सभी फिरके के लोगों को अवगत कराया। इस बीच मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए चिकित्सा, शिक्षा और सामुहिक विवाह का आयोजन करने पर जोर देना चाहिए। इस तरह की पहल से समाज सशक्त और आत्मनिर्भर भी बनेगा। अगर गरीब बेटे-बेटियों की शिक्षा के लिए समाज प्रयास करें, तो इससे शिक्षा का ग्राफ और बेहतर होगा। साथ ही माता-पिता की जिम्मेदारी में सहभागिता निभाने के लिए समाज प्रमुखों को उन्होंने बधाई भी दी।

धर्म लाइव

त्याग, परोपकार और सेवा को अपनाने से ही पूर्ण होगा यज्ञ

रायपुर। बोरियाखुर्द के खेल मैदान में तीन दिन के लिए आयोजित 21 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के अंतिम दिन महायज्ञ में शामिल होने के लिए हजारों की तादाद में लोग पहुंचे। श्रद्धालुजनों ने पूर्णाहुति में देवदक्षिणा स्वरूप अपने जीवन की एक-एक बुराई छोड़ने और जीवन में एक-एक अच्छे कार्य को करने का संकल्प लिया। सैकड़ों लोगों ने नशा छोड़ने का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर शांतिकुंज के प्रतिनिधि सुखदेव निर्मलकर एवं जोन समन्वयक आदर्श वर्मा ने कहा, केवल स्वाहा करने से यज्ञ पूर्ण नहीं होगा। हमें अपने जीवन में त्याग, परोपकार और सेवा को भी स्थान देना होगा, तभी यज्ञ पूर्ण होगा। आयोजक ऋषि साहू ने कहा, आज व्यक्ति केवल अपने हित की सोच रहा इसलिए भी ज्यादा सुखी होने के स्थान पर और दुखी हो गया।

दिनभर में करवाए गए कई संस्कार

इसका एकमात्र समाधान है कि हम प्रेम, सद्भावना, सदविवेक, सदाचार को जीवन में स्थान दें। तभी सुख शांति से जीवन जी सकते हैं। गायत्री परिवार के जिला समन्वयक लच्छूराम निषाद एवं संयोजक मोहनलाल साहू ने बताया कि पूर्णाहुति के पूर्व यज्ञ में दो मुंडन संस्कार, 10 दीक्षा संस्कार, तीन नामकरण संस्कार, चार पुंसवन संस्कार और तीन बच्चों का विद्यारंभ संस्कार के साथ ही चार बच्चों का जन्म दिवस मनाया। गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्य सदाशिव हथमल, सुखदेव देवांगन, सीपी. साहू, रामकृष्ण साहू, प्रज्ञा प्रकाश निगम सहित अन्य ने सहयोग दिया।

सिटी इवेंट

यंग इंडियंस की बैठक पर सामाजिक योगदान पर हुई चर्चा

रायपुर। यंग इंडियंस रायपुर चैप्टर की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सामाजिक योगदान और नेतृत्व परिवर्तन पर जोर दिया गया इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में वर्ष भर किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को प्रस्तुत किया गया, जो उद्यमशीलता, पर्यावरणीय स्थिरता, समावेशिता और सामुदायिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए आय आई रायपुर के अटूट प्रयासों का प्रमाण है। बैठक में युवा उत्सव 3.0: युवाओं को उद्यमशीलता के विचारों को अपनाने के लिए प्रेरित करना, मियावाकी पब्लिक फॉरेस्ट डेवलेपमेंट: पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम, शक्ति: महिला उद्यमियों को समर्थन और प्रोत्साहन, दिव्य उत्सव 2.0: दिव्यांग बच्चों के लिए समावेशिता को बढ़ावा देना, ग्रामीण सशक्तिकरण: स्व-सहायता समूहों को रोजगार और स्वास्थ्य शिविर पर जोर दिया गया।

सामाजिक पहलों की भूमिका पर साझा किए विचार

वार्षिक रिपोर्ट 2024 का अनावरण उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया, जिन्होंने आय आई रायपुर के प्रयासों की सराहना की और शहरी विकास में सामाजिक पहलों की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में आईहब कॉन्सेप्ट का परिचय भी कराया गया, जो अहमदाबाद के सफल मॉडल से प्रेरित है यह रायपुर में नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देगा।रायपुर चैप्टर के नए नेतृत्व में चेयर गौरव अग्रवाल और को-चेयर पंकज सोमानी है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा, "यंग इंडियंस ने एक बार फिर यह साबित किया है कि युवाओं द्वारा शुरू की गई पहलें एक प्रगतिशील समाज के निर्माण में कितनी महत्वपूर्ण हो सकती हैं।

● राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस आज : दुकानों में 5 हजार से लेकर 30 हजार तक सायकल उपलब्ध

सेहत बनाने और प्रदूषण कम करने साइकिलिंग का बढ़ा प्रचलन, हर महीने 1500 से अधिक की बिक्री

एक समय ऐसा भी था, जब लोगों के घरों में साइकिल होना बड़ी बात होती थी। इसके बाद अब महंगी गाड़ियों का दौर चल रहा है। इस बीच यूथ ही नहीं बल्कि हर वर्ग के लोग सेहत बनाने व प्रदूषण कम करने के लिए एक बार फिर एडवेंचर और सेहत के लिए साइकिलिंग को तवज्जो देने लगे हैं। इससे पुराने पैटर्न की साइकिल बेचने वालों के शॉप में अब 5 हजार से 50 हजार तक की रेसिंग साइकिलें भी सजने लगी हैं। इसे हर महीने 1000 से 1500 लोग खरीद भी रहे हैं।

रायपुर। समय के साथ शहर की आबोहवा ने प्रदूषण के ग्राफ को बढ़ाया है। सड़कों पर डीजल, पेट्रोल से चलने वाली गाड़ियों के दूषित धूएं को भी प्रदूषण की एक बड़ी वजह के रूप में विशेषज्ञ देखते हैं। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के अवसर पर हरिभूमि ने बदलते दौर में साइकिलिंग करने वालों की सुध ली। जब रेसिंग बेस्ड साइकिल की विशाल रेंज रखने वाले शॉप संचालकों से बात की गई तो एक दुकान संचालक रविन्दर सिंह ने बताया, अभी शहर में करीब 15 बड़े डीलर्स हैं। इनके पास से हर महीने पुराने और नए पैटर्न की करीब 1000 से 1500 साइकिलें राइडर्स खरीदते हैं। कई तरह की सुविधा से लैस साइकिल बेचने वाले राघवेन्द्र साहू ने बताया कि हर महीने शॉप से 90 से 100 साइकिलें लोग खरीदते हैं। इनमें विद्यार्थी वर्ग के लोग ज्यादा होते हैं, जो स्कूल-कॉलेज इससे जाना पसंद करते हैं।

साइकिल में लगाए जा रहे हैं सस्पेंशन

शॉप संचालकों ने बताया कि कई लोग तो बिगड़ते सेहत को सुधारने के लिए डॉक्टर्स की सलाह पर भी साइकिलिंग करने के लिए आते हैं। ऐसे लोगों की पहली पसंद एमटीबी साइकिल होती है। इसमें 21 स्पीड की सुविधा मिलती है। यह बच्चों के लिए बेस्ट है, क्योंकि यह चलाने में भी कंफर्टेबल हैं। इस साइकिल को प्रतिदिन थोड़ी देर चलाने से बिना जिम जाए, शरीर की पूरी एक्सरसाइज होती है। इस एमटीबी साइकिल में लगाए गए सस्पेंशन राइडर्स को झटकों से बचाते हैं। इसे देखते हुए एडवेंचर का शौक रखने वाले लोग इस तरह की साइकिल पसंद करते हैं।

बैटरी व शॉकअप लगी साइकिल

बैटरी वाली साइकिल संचालक मंगा तो रहे हैं, लेकिन इनकी डिमांड अभी मार्केट में ज्यादा नहीं है। इसकी वजह यह है कि 30 से 50 हजार की रेंज वाली इस साइकिल की कीमत में ई-बाइक मिलने लगी है। अभी गेयर वाली साइकिल का क्रेज युवाओं में ज्यादा देखने को मिल रहा है। इसे स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थी खरीदना पसंद कर रहे हैं। 8,500 से 15,000 की रेंज में शॉकअप वाली साइकिल मिलने से इसे लंबे समय तक चलाने से भी थकान का एहसास नहीं होता है। मोटापे से पीड़ित लोग भी इसे चलाने लगे हैं।

बच्चों व बड़ों के लिए अलग तरह की साइकिल

साइकिल शॉप चलाने वाले व्यापारियों ने बताया कि बच्चों के लिए 14 से 20 इंच की मोटे और पतले टायर वाली साइकिलें पसंद की जाती हैं। इनकी कीमत भी 8500 से शुरू होती है, जो 15000 तक भी मिलती है। इसी प्रकार बड़ों के लिए 18 से 20 इंच की साइकिल कंफर्टेबल होती है। इसे राइडर्स बजट को देखते हुए खरीदते हैं। वहीं सेहत बनाने के लिए साइकिलिंग करने के लिए लोग एमटीएच की विविध रेंज को पसंद करते हैं। यह चलाने में ज्यादा सुविधाजनक होती है। कई लोग प्रदूषण को देखते हुए आसपास आने-जाने के लिए महंगी साइकिल का सहारा लेते हैं।

30 साइकिलिस्ट ने भी निकाली रैली

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस से पहले रविवार को साइकिलिस्ट राघवेन्द्र साहू ने शहर में साइकिल रैली निकाली। इसमें 30 साइकिलिस्ट ने भाग लेते हुए पर्यावरण की सुरक्षा, मानवता की रक्षा, नए भारत के युवा हैं हम, प्रदूषण को हम करेंगे खत्म, आओ हम साइकिल चलाएं, पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं जैसे स्लोगन के साथ संदेश देते हुए सुबह 6.30 बजे बूढ़ापारा से रवाना हुए। सिविल लाइन, भगत सिंह चौक, शंकर नगर, लोधीपारा, पंडरी, रेलवे स्टेशन, आमापारा, पुरानी बस्ती होते हुए बूढ़ापारा में रैली समाप्त हुई। इसमें हर वर्ग के साइकिलिस्ट ने भाग लिया।

पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम में आनंदमूर्ति गुरुमां ने सुनाई कथा

व्यक्ति अपना भाग्य कर्मों से लिख रहा पाप है लोगों के दुख का मुख्य कारण

रायपुर। हर व्यक्ति अपना भाग्य रोज अच्छे और बुरे कर्मों से लिख रहा है। जिनके कर्म में किसी की निंदा नहीं होती, किसी का अहित नहीं होता, कोई दुखी नहीं होता है, ऐसे कर्म व्यक्ति के भाग्य को बेहतर करते हुए सौभाग्य से जोड़ता है। व्यक्ति को जीवन में जो दुख और सुख मिलते हैं। जरूरी नहीं कि उसका कारण इस जीवन में किए गए कर्म के प्रभाव से मिल रहा है। कई बार पूर्व जन्म में किए गए पाप कर्म भी भाग्य का लेखा बदल देते हैं। पूर्व जन्म के पाप कर्म के प्रभाव को कम करने के लिए अच्छा होगा कि इस जन्म में तन, मन और धन से किसी के काम आएं। इससे पूर्व जन्म के पाप कर्म का प्रभाव भी कम हो जाएगा। ऋषि चैतन्य ट्रस्ट द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित अमृत वर्षा की श्रृंखला में यह बात पूज्य आनंदमूर्ति गुरुमां ने रविवार को श्रोताओं के बीच कहीं।

कोदो, कुटकी का करें सेवन

आयोजन संस्था की शिविका अग्रवाल ने बताया कि गुरुमां ने स्वस्थ्य जीवन के लिए चावल, सफेद चीनी और गेहूं का उपयोग करने की बजाय छत्तीसगढ़ के लोगों को कोदो, कुटकी जैसे अनाज के सेवन करने की आदत डालने के लिए प्रेरित किया। इससे प्रदेश का हर व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ और मजबूत होगा। इससे कुटुम्ब में खुशहाली आएगी।

देर तक सोने से भी कम होता है पुण्य

गुरुमां ने भागवत गीता पर केन्द्रीत प्रवचन श्रृंखला में कर्म और भाग्य विषय पर आगे कहा कि देर-रात तक जागने और सुबह देर तक सोने की आदत भी पुण्य कर्म को कम करता है। इससे बचने रोज ब्रह्म मुहूर्त में उठने, बुजुर्गों की सेवा करने, सबके लिए दया का भाव रखते हुए दिन की शुरुआत करें। इससे आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और आपके नित्य कर्म भी बेहतर होंगे। दैनिक जीवन में किसी का अहित करने की न सोचें, जहां तक संभव हो लोगों की तन, मन और धन से सेवा भी करें।

महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश सहित ओडिसा से पहुंचे यूथ बताया-जीवनसाथी में चाहिए किस तरह की खूबियां

सर्व ब्राम्हण समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन

रायपुर। सामाजिक स्तर पर विवाह योग्य युवक युवतियों का परिचय सम्मेलन हमारी भारतीय संस्कृति की उत्कृष्ट पहचान बनते जा रहे हैं। ऐसे आयोजन के माध्यम से अलग-अलग शहरों के समाज के सदस्य एक ही स्थान पर इकट्ठा होकर जीवन साथी का चयन करते हैं। वर्तमान में ऐसा आयोजन विभिन्न समाज के संगठनों द्वारा लगातार किया जा रहा, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज को संगठित करने की दिशा में पहल करना है। इसी कड़ी में वर्ल्ड ब्राम्हण फेडरेशन एवं सर्व युवा ब्राम्हण परिषद के संयुक्त तत्वाधान में परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। परिचय सम्मेलन में अपना ब्योरा देने के साथ ही युवक-युवतियों ने बताया कि उन्हें अपने जीवनसाथी में किस तरह की खुबियां चाहिए।

युवाओं से संबंधित जानकारियों का संकलन

सर्व ब्राम्हण युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन दूधाधारी मठ के गीता भवन में किया गया। शुभारंभ पत्रिका विमोचन के साथ हुआ। इमसें 300 से अधिक युवाओं का परिचय एवं उनसे संबंधित जानकारी दी गई है। एक दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं प्रगति कॉलेज के संचालक राजीव वोरा, पार्षद मृत्युंजय दुबे, सभापति एवं पूर्व महापौर प्रमोद दुबे उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाज के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद ओझा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुण निधी मिश्रा, कार्यक्रम संयोजक नितिन कुमार झा एवं पत्रिका विमोचन संचालक रंजन अग्निहोत्री भी शामिल रहे।

600 से अधिक ने कराया पंजीयन

कार्यक्रम संयोजक नितिन कुमार झा ने बताया, परिचय सम्मेलन में प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से भी युवक-युवती शामिल हुए। जिन्होंने अपना परिचय समाज के सदस्यों के समक्ष दिया। इस दौरान महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, ओडिसा और छत्तीसगढ़ के ब्राम्हण समाज के सदस्य उपस्थित रहे, जिसमें ब्राम्हण समाज के अनेक वर्ग के व्यक्तियों की मौजूदगी बनी रही। इसमें कुछ प्रतिभागी विधुर एवं तलाकशुदा भी रहे, जिन्होंने अपने जीवनसाथी के चयन के लिए अपना परिचय दिया। परिचय सम्मेलन में 600 से अधिक पंजीयन कराया गया।

बालाजियंस कला उत्सव : महाभारत प्रसंग का जीवंत मंचन

सोशल साइट्स की लत दिखाने खेला नाटक, डांस स्टेप्स भूले बच्चे तो संग थिरकने लगे शिक्षक, कठपुतली बनकर बटोरी तालियां

कार्नर न्यूज

रायपुर। आंसुओं का चूरन चबा के हमने डकार मारा रे, गुन-गुन-गुना रे... गाने पर जब मीडिल कक्षा के विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुति दी तो सभागार में तालियों की गूंज सुनने को मिली। देवेन्द्र नगर स्थित श्री बालाजी विद्या मंदिर में 'बालाजियंस कला उत्सव' का आयोजन किया गया, जहां ये नजारे देखने को मिले। सभी कक्षा के छात्रों ने बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सा लिया। देर रात तक आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी एवं परिजन भारी संख्या में नजर आए। सभी परिजन बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए संगीत के साथ गुनगुनाते रहे। वन्दे नवघनश्यामं... गीत के जरिए राधा-कृष्ण स्तुति करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस दौरान मराठी, दक्षिण भारतीय, पंजाबी सहित शास्त्रीय एवं ओडिसी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि के रूप में एडिशनल कलेक्टर निधी साहू, आन्ध्रा एसोसिएशन के अध्यक्ष जी.स्वामी, सचिव केएस आचार्युलु, उपाध्यक्ष टी.श्रीनिवास रेड्डी, शाला प्रचार्य डॉ. फ्रेनी जय प्रकाश, उपप्रचार्य मौसमी भट्टाचार्या सहित शिक्षक शामिल रहे।

मनोबल बढ़ाते नजर आए परिजन

नन्हें बच्चों को डांस के स्टेप सिखाने से लेकर मंच में प्रस्तुति तक शिक्षकों में तनाव बना रहता है। ऐसे में बच्चों का मनोबल बढ़ाने शिक्षक भी मंच के सामने कुछ डांस स्टेप बच्चों की मदद के लिए करते हैं। ऐसा ही एक नजारा यहां भी देखने को मिला, जब बच्चों संग शिक्षक भी थिरकते नजर आए। नृत्य, संगीत संग नाटक की प्रस्तुति विद्यार्थियों ने दी। पालक भी अपने बच्चों को मोटिवेट करते रहे।

नाटक के दृश्यों ने किया भावुक

इस अवसर पर आकर्षण का केंद्र बीट बॉक्सिंग, मीम, कठपुतली युगल नृत्य रहा। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता अभियान एवं महाभारत प्रसंग में द्रौपदी चीरहरण की सुंदर प्रस्तुति दी गई। विशेष रुप से महाभारत प्रसंग पर नाटक का मंचन किया गया। जिमसें युधिष्ठिर और मामा शकुनि के जुआ खेलने से लेकर पांडवों की हार को दर्शाया गया। जिसके बाद द्रौपदी को पासे में दांव लगाते हुए, चीरहरण का दृश्य सभागार में दर्शाया गया। इस मनमोहक प्रस्तुति के पश्चात पर्यावरण जागरुकता संबंधित नाटक का मंचन किया गया। जिसमें युवाओं में बढ़ते मोबाइल एडिक्शन और परिजनों से दूर होने के चिंताजनक दृश्य देखने को मिले। अधिक मोबाइल के प्रयोग से पर्यावरण एवं जीव-जंतुओं के नुकसान को भी दर्शाया गया।

सिटी स्पोर्ट्स

अंतराष्ट्रीय म्यू थाई चैंपियनशिप में रायपुर की दिव्या को कांस्य पदक

रायपुर। ईस्ट एशिया म्यू थाई चैंपियनशिप

हॉंगकॉंग में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहीं छत्तीसगढ की बेटी दिव्या अग्रवाल ने कॉंस्य पदक अपने नाम कर अपने देश भारत व राज्य छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया है।

इस चैंपियनशिप में यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इण्डिया के माध्यम से भारत का प्रतिनिधित्व कर रही ₹ब्लू कॉर्नर₹ से रायपुर (छत्तीसगढ़) की दिव्या अग्रवाल का सेमीफाइनल में ₹रेड कार्नर₹ से हॉंगकॉंग की खिलाड़ी होई ई वॉन्ग से मुकाबला हुआ।

फाइनल प्रवेश के लिए जोर आजमाइश करते ₹बगैर चेस्ट गार्ड₹ के खेले जाने वाले ₹फुल कॉन्टैक्ट गेम₹ में दोनो महिला खिलाड़ियों ने पूरा जोर लगा दिया। पंच, किक, नी, एल्बो के विभिन्न अनवरत वार करते हुए दोनो खिलाड़ी जबरदस्त खेल रहे थे। किन्तु भारत की दिव्या अग्रवाल को दो कॉउंट मिलने के बाद ₹प्लेयर सेफ्टी₹ पॉवर का उपयोग करते हुए सेन्टर रेफरी ने मुकाबला वही रोक हॉंगकॉंग की खिलाड़ी को विजेता घोषित किया और दिव्या अग्रवाल को कॉंस्य पदक मिला है।

छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन में बीएसपी और कबीरधाम विजेता

रायपुर। 24वीं छत्तीसगढ़ सीनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता 2024-25 पुरुष एवं महिला का आयोजन भिलाई इस्पात संयंत्र बाल बैडमिंटन क्लब एवं छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ के संयुक्त तत्वाधान में भिलाई इस्पात संयंत्र बॉल बैडमिंटन खेल परिसर, सेक्टर 4, भिलाई में 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक किया गया। इस प्रतियोगिता के पहले क्वार्टर फाइनल भिलाई इस्पात संयंत्र विरुद्ध रायपुर खेला गया। जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र ने 35-29, 35-23 से रायपुर को हराकर विजय रहा। दूसरा क्वार्टर फाइनल बालोद विरोध कबीरधाम खेला गया। जिसमें कबीरधाम ने बालोद को 35-05,35-19 से हराकर विजय प्राप्त की। तीसरे क्वार्टर फाइनल में महासमुंद ने गरियाबंद को 35-31, 35-26 से हराकर विजय प्राप्त की। चौथे क्वार्टर फाइनल में धमतरी ने बलोदा बाजार को 35-21, 35-21 से हराकर विजय रहा। सेमी फाइनल मुकाबला भिलाई इस्पात संयंत्र विरुद्ध धमतरी खेला गया जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र ने धमतरी को 35-28,35-37 35-21 से हारा कर फाइनल में प्रवेश किया। वही दूसरा सेमीफाइनल कबीरधाम विरुद्ध महासमुंद खेला गया कबीरधाम ने महासमुंद 35-29 35-22 से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला भिलाई इस्पात संयंत्र विरुद्ध कबीरधाम खेला गया जिसमें कबीरधाम ने भिलाई इस्पात संयंत्र को 35-27 35-29 से हराकर प्रतियोगिता की चैंपियनशिप अपने नाम की। महिला वर्ग में प्रतियोगिता का विजेता क्रम में कबीरधाम,भिलाई इस्पात संयंत्र,.महासमुंद,धमतरी, बलोदा बाजार, गरियाबंद,बालोद और रायपुर शामिल हैं। वहीं पुरुष वर्ग में क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबले हुए। जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र विरुद्ध धमतरी में बीएसपी 35-29, 35-25 से विजेता रहा। दूसरा क्वार्टर फाइनल दुर्ग निगम विरुद्ध बिलासपुर दुर्ग विजय 37-39 35-33, 35-30, दुर्ग निगम विजय तीसरा क्वार्टर फाइनल महासमुंद विरुद्ध कबीरधाम 35-31 35-28 महासमुंद विजय, चौथा क्वार्टर फैनल एनएमडीसी विरुद्ध गरियाबंद 35- 19, 35-26 एनएमडीसी विजय रहे। सेमी फाइनल में एनएमडीसी विरुद्ध भिलाई इस्पात संयंत्र 35-26,28-35,35-30 में भिलाई इस्पात संयंत्र ने विजयी रहकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल महासमुंद विरोध दुर्ग निगम के बीच खेला गया 35- 32 ,27-35,35-30, दुर्ग विजय रहकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला भिलाई इस्पात संयंत्र विरुद्ध दुर्ग निगम के मध्य खेला गया जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र ने दुर्ग निगम को हराकर 37-35 ,35- 33 से विजेता का खिताब हासिल किया। पुरुष वर्ग में विजेता टीमों का क्रम भिलाई इस्पात संयंत्र, दुर्ग,एनएमडीसी,महासमुंद, खैरागढ़, बिलासपुर, गरियाबंद और धमतरी रहे। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र एसटी एससी समाज के अध्यक्ष सुनील रामटेके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। भिलाई इस्पात संयंत्र बॉल बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष डीजीएम, एमआर डी विभाग रज्जी उन्नी, छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ के कार्यकारी अध्यक्ष इसरार अहमद खान, भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ एवं छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ, के सचिव वाय राजा राव, छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ के कोषाध्यक्ष श्यामल बनर्जी, भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ टूर्नामेंट कमेटी अध्यक्ष नरेश चंद्राकर महासमुंद,भिलाई इस्पात संयंत्र बाल बैडमिंटन क्लब के सह सचिव नजीर अहमद खान, भिलाई इस्पात संयंत्र बाल बैडमिंटन क्लब के कोषाध्यक्ष जीएसएस प्रसाद, चीफ रेफरी, अंकित लुनिया महासमुंद ऋतु ठाकुर दुर्ग, रणविजय, एस कुमार, सेवन दास नामदेव, गोपाल साहू और अविनाश चौहान उपस्थित थे।

● बच्चों में बढ़ता मोटापा आज के दौर की बड़ी चुनौती, उपचार जरूरी

अगर आपका बच्चा भी है मोटापे का शिकार तो हो जाएं सावधान, खानपान में बरतनी होगी सावधानी

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों में मोटापे की समस्या के कारण भविष्य में हृदय रोगों के जोखिमों को लेकर सावधान किया है। अगर आपका बच्चा भी मोटापे का शिकार है और इसपर समय रहते ध्यान न दिया गया तो भविष्य में उसमें कई प्रकार की जानलेवा बीमारियां होने का जोखिम कई गुना तक बढ़ जाता है। अधिक वजन या मोटापे को स्वास्थ्य के लिए सबसे खराब स्थिति माना जाता है, जिन लोगों का वजन सामान्य से अधिक होता है उनमें कई प्रकार की गंभीर और क्रोनिक बीमारियों का खतरा भी अधिक देखा जाता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अपनी हाइट के अनुसार वजन को कंट्रोल में रखने की सलाह देते हैं।

वजन बढ़ना या मोटापा वैसे तो सभी उम्र के लोगों के लिए नुकसानदायक है, पर अध्ययनों में विशेषज्ञ बच्चों में बढ़ती इस समस्या को लेकर चिंता जता रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार अगर आपका बच्चा भी मोटापे का शिकार है।

मोटापा के कारण होने वाली दिक्कतें

मोटापा से मतलब है कि अगर आपका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) आपकी उम्र और लिंग के अन्य लोगों की तुलना में काफी अधिक है तो इसे मोटा कहा जाता है। बच्चों में मोटापे की समस्या में वैश्विक वृद्धि देखी जा रही है। भारतीय बच्चे भी इसका तेजी से शिकार हो रहे हैं।

कई शोध बताते हैं कि सामान्य से अधिक वजन की समस्या हृदय रोग और डायबिटीज का प्रमुख कारण है। बच्चों में या कम उम्र में वजन बढ़ने से किशोरावस्था या युवावस्था में इन बीमारियों का जोखिम और भी बढ़ जाता है। इसके कारण न सिर्फ क्वालिटी ऑफ लाइफ प्रभावित होती है साथ ही कई मामलों में इसके जानलेवा जोखिम भी हो सकते हैं।

अधिक वजन वाले बच्चों में हृदय रोगों का खतरा

एक अध्ययन से पता चलता है कि बचपन में मोटापा के कारण आगे चलकर उच्च रक्तचाप, ब्लड लिपिड और ब्लड शुगर बढ़ने की समस्या हो सकती है, जिसे काफी गंभीर माना जाता रहा है। शोध में पाया गया है कि मोटे बच्चों में अन्य बच्चों की तुलना में वयस्कावस्था तक मोटापा बने रहने और इसके कारण हृदय रोग और डायबिटीज होने का खतरा पांच गुना तक अधिक हो सकता है।

लो बीएमआई वाले बच्चों की तुलना में हाई बीएमआई वाले बच्चों को 30-40 की उम्र में कार्डियोवैस्कुलर रोग होने का जोखिम 40 फीसदी तक अधिक हो सकता है। धूम्रपान और हाई बीएमआई के साथ ब्लड प्रेशर, लिपिड सहित अन्य जोखिम कारकों के कारण दिल का दौरा और स्ट्रोक होने की आशंका आठ से दस गुना अधिक होता है।

वजन को कंट्रोल करने के उपाय करें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चो में बढ़ती शारीरिक निषक्रियता, स्क्रीन टाइम और बाहरी गतिविधियों-व्यायाम की कमी के कारण मोटापे का खतरा बढ़ता जा रहा है। आहार के संबंध में, बच्चों को पर्याप्त नाश्ता करना चाहिए, जंक-फास्ट फूड का अधिक सेवन, भोजन में नमक-चीनी की अधिकता के कारण वजन बढ़ता जा रहा है।

डॉक्टर कहते हैं, स्कूली उम्र के बच्चों कोप्रतिदिन कम से कम 60 मिनट मध्यम से लेकर जोरदार एरोबिक शारीरिक गतिविधि जरूर करनी चाहिए। इसके अलावा, मांसपेशियों को मजबूत करने वाली गतिविधियां सप्ताह में कम से कम तीन बार की जानी चाहिए।

ऐसे संकेत बताते हैं आपकी बॉडी को डिटॉक्स करना हो गया जरूरी

हम सभी अपने शरीर की साफ-सफाई पर खासा ध्यान देते हैं, जिससे हम किसी भी तरह की बीमारी व गंदगी को खुद से दूर रख सकें। लेकिन अमूमन लोग इस सफाई को केवल बाहरी तौर पर ही सीमित रखते हैं, जब शरीर की अंदरूनी साफ-सफाई होना भी उतना ही जरूरी है। जब आपका शरीर अंदर से क्लीन होता है तो आप खुद में काफी हल्का महसूस करते हैं और आपके शरीर के सभी अंदरूनी अंग बेहतर तरीके से काम करते हैं। इससे आप अधिक खुश और एनर्जेटिक फील करते हैं। साथ ही साथ, इससे आप खुद को कई तरह की बीमारियों से बचाकर एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

अब सवाल यह होता है कि हमें यह कैसे पता चले कि हमारे शरीर को डिटॉक्स की जरूरत है। दरअसल, जब शरीर के अंदर गंदगी जमा होने लगती है और उसे डिटॉक्सिफिकेशन की जरूरत होती है तो ऐसे में हमारा शरीर खुद ही इसके संकेत देने लगता है। हालांकि, जानकारी के अभाव में हमें इसका पता नहीं चलता और हम खुद पर सही तरह से ध्यान नहीं दे पाते हैं। सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन ऋतु पुरी ऐसे ही संकेतों के बारे में बता रही हैं-

हर वक्त थकान महसूस होना

अगर अब आप खुद को पहले की तरह एक्टिव फील नहीं करती हैं। आपको हर वक्त थकान का अहसास होता है। यहां तक कि अपने रोजमर्रा का काम करने के लिए आपको खुद को पुश करना पड़ता है तो यह एक संकेत हो सकता है कि अब आपके शरीर को डिटॉक्स की जरूरत है। अगर आप सोकर उठने के बाद भी फ्रेश फील नहीं करते हैं तो अब आपको खुद पर ध्यान देने की जरूरत है। दरअसल, शरीर में जमा टॉक्सिन्स आपके लीवर और किडनी के काम को कठिन बनाते हैं, जिससे आपको हरवक्त थका हुआ महसूस हो सकता है।

पाचन से जुड़ी समस्याएं

अगर आपको पिछले कुछ वक्त से पाचन से जुड़ी समस्याओं जैसे पेट फूलना, गैस, या कब्ज आदि का सामना करना पड़ रहा है तो यह एक इशारा है कि अब आपको अपनी बॉडी को डिटॉक्स करना चाहिए। दरअसल, जब शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं तो इससे सबसे ज्यादा भार पाचन तंत्र पर पड़ता है और ऐसे में आपको कई तरह की पाचन से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। एक डिटॉक्स से पाचन को रीसेट करने में मदद मिल सकती है।

यह है एक्सपर्ट की राय

मुंह या शरीर से बदबू आना_ कई लोगों की यह शिकायत होती है कि उनके मुंह से हमेशा ही अजीब सी बदबू आती रहती है। वहीं कुछ लोगों को नहाने के बाद भी खुद में से अजीब से महक महसूस होती है और वे इस महक को दूर करने के लिए माउथ फ्रेशनर या बॉडी परफ्यूम आदि का सहारा लेते हैं। लेकिन इसका एक कारण शरीर में जमा टॉक्सिन्स भी हो सकते हैं। दरअसल, जब आपके अंग सुस्त हो जाते हैं, तो ये बदबू बाहर आने लगती है।

क्या उपहार में कांच की चीजें देना सही है?

वास्तु शास्त्र में गिफ्ट में क्या देना चाहिए और क्या नहीं देना चाहिए इसके बारे में विस्तार से बताया गया है। इसके साथ ही, कांच की चीजों को उपहार में देना सही है या गलत इसका वर्णन भी वास्तु शास्त्र में मौजूद है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से जानते हैं कि क्या किसी को उपहार में कांच की चीजें दे सकते हैं या नहीं।

क्या गिफ्ट में कांच की चीजें देनी चाहिए?

अक्सर जब भी किसी को गिफ्ट देना होता है लोग ग्लास आइटम्स जैसे कि कांच के बर्तन, क्रिस्टल फूलदान, डिज़ाइनर मिरर आदि चीजों को चुनते हैं। जहां एक ओर ऐसी वस्तुएं गिफ्ट में देने के लिए बेहतरीन मानी जाती हैं क्योंकि यह सुंदर दिखने के साथ-साथ यूजफुल भी होती हैं तो वहीं, वास्तु शास्त्र में कांच की चीजों को उपहार में देने की मनाही है।

वास्तु शास्त्र कहता है कि हर धातु किसी न किसी प्रवृत्ति को दर्शाती है। ठीक ऐसे ही कांच दर्शाता है खंडित होने को। कांच एक ऐसी वस्तु है जिसके साथ अगर ज़रा भी लापरवाही की जाए तो यह जल्दी टूट जाती है। इसके अलावा, समय के साथ कांच पर निशान पड़ने शुरू हो जाते हैं। कांच की यही प्रवृत्ति घर-परिवार पर भी गहरा असर डालती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर किसी को कांच की चीजें गिफ्ट में दी जाए तो कांच की प्रवृत्ति के प्रभाव से परिवार के सदस्यों के बीच रिश्ते बहुत कमजोर होते हैं और हल्की से विवाद पर भी रिश्ते बिखर कर टूट सकते हैं।

डोसा बेटर में इन ट्रिक्स से तुरंत उठेगा खमीर

डोसा बनाने में सबसे ज्यादा दिक्कत उसकी तैयारी करने में आती हैं, क्यूंकि इसके लिए हमें एक दिन पहले से दाल-चावल को भिगोना पड़ता है। इसके बाद अगले दिन उसे पीसकर खमीर उठने के लिए पूरा दिन इंतजार करना पड़ता है। यह प्रोसेस काफी लंबा हो जाता है। इसी के चलते कुछ लोगों को इसे बनाने में मुसीबत लगती है।

इंस्टेंट खमीर के लिए अपनाएं ये ट्रिक्स

यदि आप भी डोसा बनाते हुए इस समस्या का सामना करती हैं, तो आज हम आपके लिए कुछ आसान सी ट्रिक्स लेकर आएं हैं। जिनके जरिये आप कुछ ही घंटों में डोसे के बेटर को फर्मेंट कर सकती हैं। इसके लिए बस आपको कुछ आसान से टिप्स फॉलो करने होंगे। जिसकी मदद से आप टेस्टी और क्रिस्पी डोसा बना पाएंगी।

साबुत हरी मिर्च डालें

यदि आपको तुरंत डोसे के बेटर में खमीर उठाना है, तो आपको साबुत हरी मिर्च को उस बेटर में करीब 1-2 घंटे डालकर रखना है। कुछ देर बाद देखेंगे खमीर ऊपर आ जाएगा।

रायपुर बाजार
Contact For Advertisement 6263818152, 8766276107

अब आपकी सुरक्षा, सही हाथों में होगी
ALERT SGS PVT. LTD.
PROVIDER SECURITY SERVICE (Pan India)
Register Now : Web : www.alertsgs.com
Gmail : alertsgsprivatelimited@gmail.com
7746000016,7747000019

थोक रेट में रेडी स्टॉक
मेट्रेस हर साईज, हर मोटाई में, EP चैन कव्हर लगा, EP फोम (फ्रोम)
गद्दा, सभी प्रकार के कव्हर, प्रोटेक्टर, सभी प्रकार के रूई गद्दा, तकिया,
बीन बैग, सोफा कमबेड, फाईबर तकिया, लोड
संजय रूई भंडार निराकारी फर्नीचर के पीछे कांच घर गोडाउन के पास, पंडरी रायपुर
9827976266, 7987918262

SMART INDUSTRIAL SYSTEMS
Safety Equipment, Automation & IT Solutions
Nr. Indian Post Office, Shankar Nagar, Raipur
www.smartindustrialsystems.com
0771-2433880
Fire Detection
Boom Barrier Gate Automn
Audio Conf
Smart Class Set up
Walky Talky
Smart Interative Panle

मेन्स वियर मेला BRAND BAZAR
INTERNATIONAL BRAND
मानसरोवर छत्तीसगढ़ का पहला
मेन्स होलसेल हब जहाँ बड़े इंटरनेशनल ब्रांड के
होलसेल से भी कम रेट में!
इससे अच्छा और सस्ता कहीं नहीं!
• जींस • टी-शर्ट • शर्ट • लोअर • बरमूडा
मानसरोवर
80-81 टेक्सटाइल्स मार्केट गेट न. 2 के पास पंडरी, रायपुर
7880002712 7880002704

भामरा गार्डन सिरपुर-बारनवापारा
01 ROOM 02 POOL 03 FOOD
Book Now
• KITTY PARTY • ANNIVERSARY • BIRTHDAY PARTY
9589386162, 7354929810

पैसा चाहिए? हमारे पास आइए
(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित
न्यूनतम कागजी कार्यवाही
5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन
आज लोन लीजिए 100 किश्तों में पटाइये
मोटवानी फायनेंस 93404-44755
गली नं. 03, सिंधी कॉलोनी, तेलीबांधा, रायपुर

विक्ट्री इलेक्ट्रिक VICTORY
मात्र 10,000 रूपये डाऊनपेमेंट में गाड़ी लेकर जाये
ई-रिक्शा, बैटरी चलित ई-रिक्शा एवं ई लोडर
4 घंटे में गाड़ी फायनेंस करवा कर घर ले जाएं
एक बार चार्ज होने पर 100 से 120 किमी. चलती जाएं
सबसे सस्ता, सबसे अच्छा, सबसे कम कीमत पर सिर्फ विक्ट्री इलेक्ट्रिक पर
पॉवर सॉल्यूशन हुण्डई शो रूम के पास, रिंग रोड नं. 1 कुशालपुर, रायपुर (छ.ग)
6263745853 9827129838

आपके विज्ञापन के लिये जगह उपलब्ध है।
संपर्क करें
मो. 6263818152, 7987119756

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

नाटक के मंचन के दौरान कनाडाई अभिनेता जूलियन की मौत

अभिनेता जूलियन अर्नोल्ड की अचानक मौत से उनके सभी चाहने वाले सदमें में हैं। जूलियन अर्नोल्ड, एडमोंटन के मूल निवासी और अल्बर्टा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र स्थानीय थिएटर समुदाय के प्रिय सदस्य थे, जिन्हें ट्वेल्व नाइट्स जैसी प्रस्तुतियों और ए क्रिसमस कैरोल्स के कई प्रदर्शनों में उनकी भूमिकाओं के लिए याद किया जाता है। अभिनेता जूलियन अर्नोल्ड के आकस्मिक निधन से हॉलीवुड इंडस्ट्री सदमे में है। यह लोकप्रिय स्टार एडमोंटन के सिटाडेल थिएटर में थे। परफॉर्मेंस के दौरान उनकी मौत हो गई। सिटाडेल थिएटर ने एक बयान जारी किया, जिसमें लिखा था, ''हमें यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि 24 नवंबर को ए क्रिसमस कैरल के प्रदर्शन के दौरान, एक लोकप्रिय कलाकार जूलियन अर्नोल्ड का दुखद निधन हो गया।'' जूलियन अर्नोल्ड सभी के पसंदीदा स्टार थे। जूलियन अर्नोल्ड, एडमोंटन में पले-बढ़े हैं और उन्होंने जॉर्ज पी. वेनियर सेकेंडरी स्कूल और अल्बर्टा विश्वविद्यालय से पढ़ाई की। 1989 में बीएफए के साथ स्नातक पास किया। 2006 में, उन्होंने अल्बर्टा विश्वविद्यालय से निर्देशन में एमएफए पूरा किया। जूलियन अर्नोल्ड उम्दा कलाकार थे और यही वजह है कि आज भी जूलियन अपने अभिनय के जरिए अपने प्रशंसकों के दिलों में जिंदा है। जूलियन अर्नोल्ड एक ऐसे कमाल के स्टार हैं, जिन्होंने अपने पीछे एक विरासत छोड़ी है। वह चले गए हैं लेकिन आज भी वह उपने फैंस के दिलों में बसे हुए हैं। शेक्सपियर की बारहवीं रात में फेस्ट के रूप में, 2017 में ए क्रिसमस कैरल में स्क्रूज और ए क्रिसमस कैरल के अपने अंतिम प्रदर्शन में फोजीविग और मार्ले के रूप में उनके काम के माध्यम से उनकी यादें, उन्हें लाखों लोगों के दिलों में जीवित रखेंगी। सोशल मीडिया पर दिवंगत स्टार को श्रद्धांजलि देने वाले कई पोस्ट हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिटाडेल थिएटर ने लिखा, ''यह भारी मन से है कि हम सिटाडेल थिएटर के एक प्रिय अभिनेता और प्रिय मित्र जूलियन अर्नोल्ड के अचानक निधन की खबर साझा करते हैं।

टॉलीवुड

'एल 2: एमपुरान' की शूटिंग पूरी, मोहनलाल-पृथ्वीराज का जलवा

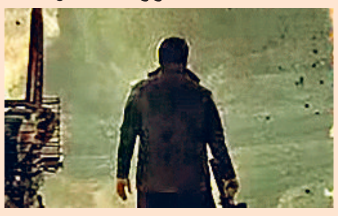

मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म 'एल 2: एमपुरान' साल 2025 में आने वाली है। की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हाल ही में, दिग्गज अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर घोषणा की कि टीम ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। 'एल 2: एम्पुरान' के आखिरी शॉट मलमपुझा जलाशय के किनारे शूट किया गया था। साउथ अभिनेता मोहनलाल ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी 14 महीनों की अपनी इस यात्रा को दिखाया है। इस फिल्म की शूटिंग आठ राज्यों और 4 देशों में हुआ है। इस बात को खुद मोहनलाल ने ही बताया है। मोहनलाल ने लिखा, 'यह एल 2: एम्पुरान का समापन है! 8 राज्यों और 4 देशों, जिनमें यूके, यूएसए और यूएई शामिल हैं, में 14 महीने की एक अविश्वसनीय यात्रा। इस फिल्म का जादू पृथ्वीराज सुकुमारन के शानदार निर्देशन के कारण है, जिनकी रचनात्मकता हर फ्रेम को ऊपर उठाती है।' मोहनलाल ने लिखा,''यह सब समर्पित कलाकारों और क्रू के बिना संभव नहीं होता, जिन्होंने इस कहानी को जीवंत किया। एल 2: एम्पुरान एक कलाकार के रूप में मेरी यात्रा का एक उल्लेखनीय अध्याय रहा है, जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।'' एल 2: एम्पुरान फिल्म ग्लोबली अगले साल 27 मार्च 2025 में रिलीज होने वाली है। फिल्म को देखने के लिए मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन के प्रशंसक उत्साहित हैं। इस फिल्म में मुरली गोपी भी नजर आने वाले हैं। फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी भाषा में रिलीज होने वाली है।

भोजपुरी

ब्लैक आउटफिट में कश्मीर की कली बनीं अक्षरा, वादियों के बीच यूं दिए दिलकश पोज

भोजपुरी की सुपरस्टार एक्ट्रेस और सिंगर इन दिनों कश्मीर में वेकेशन मना रही हैं। जहां से अब कई तस्वीरें एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अक्षरा सिंह का कश्मीरी लुक नजर आ रहा है।

अक्षरा सिंह ने ये तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। तस्वीरों में अक्षरा सिंह का एक नया अंदाज देखने को मिल रहा है। अक्षरा इन तस्वीरों में कश्मीरी लुक में नजर आ रही हैं। जो हसीना वादियों के बीच पोज देती नजर आई। कश्मीर वेकेशन की इन तस्वीरों में अक्षरा सिंह ने ब्लैक कलर का सूट पहना हुआ है। जिसके साथ उन्होंने सिर पर एक स्कार्फ भी बांधा.वहीं कश्मीरी सूट के साथ अक्षरा सिंह ने वहां की ट्रेडिशनल ज्वेलरी भी पहनी है। इस लुक में भी भोजपुरी हसीना कहर ढा रही हैं।इसके अलावा एक फोटो में अक्षरा सिंह पिंक कलर के सूट में भी नजर आईं। उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं।बता दें कि अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस और सिंगर हैं। जिनके हर गाने सोशल मीडिया पर बवाल काटते हैं।

बाल्मैन का जादू

अफ्रीकी फैशन शो में बाल्मैन फाल 2024 ने खूब सुर्खियां बटोरी। छह दशक से जारी इस फैशन शो में दुनिया भर के माडल जोहान्सबर्ग पहुंचते हैं। दर्शकों के बीच भी यह फैशन शो बेहद लोकप्रिय है। यहां कई प्रतिष्ठित डिजाइनर भी अपना कलेक्शन लेकर पहुंचते हैं।

लाइफ स्टाइल

फटी एड़ियों से राहत दिलाएंगे ये घरेलू नुस्खे, 15 दिन में दिखेगा आपको असर

वैसे तो सर्दियों का मौसम अपने साथ काफी अच्छी चीजें लेकर आता है, लेकिन इस मौसम में उन लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिनकी त्वचा संवेदनशील है। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों की स्किन इस मौसम में काफी रूखी हो जाती है, जिस वजह से उन्हें काफी ध्यान रखना पड़ता है। हाथ-पैर और चेहरे के साथ-साथ इस मौसम में एड़ियां भी फटने लगती हैं। फटी एड़ियां एक आम समस्या है, जो ज्यादातर सर्दियों में होती है। इसका कारण शुष्क त्वचा, पोषण की कमी, पानी की कमी, या ज्यादा खड़े रहने जैसी आदतें हो सकती हैं। अगर आप भी इस परेशानी का सामना कर रहे हैं तो हमारे बताए हुए घरेलू उपाय अपनाएं। यदि घरेलू उपायों से राहत न मिले, तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लें। गंभीर मामलों में यह संक्रमण या त्वचा की किसी और समस्या का संकेत हो सकता है।

गुनगुने पानी में एड़ियों को भिगोकर रखना

फटी एड़ियों से राहत पाने का ये सबसे अच्छा तरीका है। इसके लिए एक टब में गुनगुना पानी लें और उसमें थोड़ा सा नमक और कुछ बूंदें नींबू का रस मिलाएं। अब अपने पैरों को 15-20 मिनट तक भिगोकर रखें। इसके बाद प्यूमिक स्टोन या फुट स्क्रबर से एड़ियों को हल्के से रगड़ें। ऐसा करने से एड़ियों की डेड स्किन भी निकल जाएगी।

नारियल तेल या घी का उपयोग

यदि आपके पास नारियल का तेल रखा है तो रात में सोने से पहले एड़ियों पर नारियल तेल, घी या जैतून का तेल लगाएं। इसे अच्छी तरह मसाज करें और फिर मोजे पहन लें। 15 दिन तक ऐसा करने से एड़ियां मुलायम हो जाएंगी।

शहद इस्तेमाल करें

शहद में पाए जाने वाले तत्व त्वचा को मुलायम बनाने का काम करते हैं। एक बाल्टी गुनगुन पानी में 2-3 चम्मच शहद मिलाएं। अब अपने पैरों को इसमें 15 मिनट तक भिगोएं। शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और नमी बनाए रखता है।

एलोवेरा जेल

यदि आपके पास ताजा एलोवेरा जेल रखा है तो फटी एड़ियों के लिए इसका इस्तेमाल करें।

शादियों में बिखेरना है जलवा तो इन आउटफिट को जरूर चुनें

फैशन

जिस तरह से शादी का दिन दुल्हन के लिए खास होता है, ठीक उसी तरह से ये दिन दुल्हन की सहेलियों और बहनों के लिए भी बेहद अहम होता है। इसके लिए, हर लड़की महीनों-महीनों पहले से ही अपने लिए आउटफिट का चयन करती है। आउटफिट से लेकर वो चाहती है कि उनकी ज्वेलरी और मेकअप भी सबसे अलग और हटकर दिखे। इस दिन दुल्हन की सहेलियां और बहनें ब्राइड्समेड का किरदार निभाती है।

ऐसे में यदि आप के घर में भी लड़की की शादी है और आप खूबसूरत ब्राइड्समेड बनकर जलवा बिखेरना चाहती हैं, तो हम आपको उसके लिए कुछ आउटफिट दिखाने जा रहे हैं। इस तरह के ट्रेंडी आउटफिट कैरी करके आप शादी में अपना जलवा बिखेर सकती हैं।

हैवी वर्क गाउन

इस तरह का हैवी वर्क वाला गाउन आप तो शादी विवाह में कैरी कर सकती हैं। इसके साथ आपको न को ज्यादा हैवी ज्वेलरी कैरी करनी पड़ेगी और न ही इसके साथ आपको ज्यादा डार्क मेकअप करना पड़ेगा। ऐसे लुक के साथ आप चाहें तो बालों को कर्ल कर सकती हैं।

ग्लैमरस लहंगा

वैसे तो अक्सर ब्राइड्समेड हमेशा लहंगा ही पहनती हैं, लेकिन आप चाहें तो ग्लैमरस दिखने के लिए अपने लहंगे में थोड़ा ट्विस्ट ला सकती हैं। इसके लिए ब्लाउज को थोड़ा अलग स्टाइल में तैयार कराएं। आप इसे डीपनेक या फिर लेटेस्ट डिजाइन का बनवा सकती हैं।

प्लाजो-क्रॉप टॉप और श्रग

यदि आप कुछ हल्का लेकिन स्टाइलिश सा पहनने का सोच रही हैं तो ये आउटफिट आपके लिए बेहतर विकल्प है। प्लाजो और क्रॉप टॉप के साथ आपका श्रग लंबा होना चाहिए, ताकि आपका लुक रॉयल दिखे। इसके साथ बालों में मेसी बन बनाएं।

किस रंग के कपड़ों के साथ कैसी लिपस्टिक देगी परफेक्ट लुक? यहां जानें हर डिटेल

लिपस्टिक महिलाओं के मेकअप का एक अहम हिस्सा है। महिलाएं चाहे मेकअप का कोई भी सामान न खरीदें, लेकिन उनके पास लिपस्टिक का अच्छा-खासा कलेक्शन रहता ही है। सिर्फ एक लिपस्टिक ही महिलाओं के लुक को पूरी तरह से बदल सकती है।

वैसे तो लिपस्टिक का इस्तेमाल खूबसूरती को बढ़ाने के लिए ही होता है, लेकिन यदि इसके रंग का चयन सोच-समझ के न किया जाए तो गलत लिपस्टिक लगाने से लुक बिगड़ भी सकता है। कई बार तो गलत रंग की लिपस्टिक की वजह से लुक अजीब दिखने लगता है। ऐसे में हर महिला को इस बात की जानकारी अवश्य होनी चाहिए कि वो कैसे रंग के कपड़ों के साथ कैसी रंग की लिपस्टिक लगाएं।

यहां हम आपको इसी बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। हम आपको आज बताएंगे कि आपको किस रंग के कपड़ों के साथ कैसी लिपस्टिक चुननी चाहिए। लिपस्टिक के रंग का चयन मेकअप के हिसाब से भी करना चाहिए।

काले कपड़े: यदि आप ब्लैक रंग के

आउटफिट कैरी कर रही हैं तो उसके साथ क्लासी लुक के लिए रेड लिपस्टिक, सॉफिस्टिकेटेड लुक के लिए वाइन रंग और मिनिमल लुक के लिए न्यूड शेड की लिपस्टिक का चयन करें।

सफेद कपड़े: यदि आप सफेद रंग का आउटफिट कैरी कर रही हैं तो एलिगेंट लुक के लिए गुलाबी या पीच टोन की लिपस्टिक, क्लासी लुक के लिए कोरल लिपस्टिक और बोल्ड लुक के लिए डार्क रेड लिपस्टिक कैरी करें।

चेहरे पर कैसे करें टोनर का इस्तेमाल ? जानिए इसके फायदे और नुकसान

चेहरे की त्वचा को दमकाने के लिए आजकल लोग बाजार में मिलने वाले तमाम रेडीमेड प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। प्रोडक्ट इस्तेमाल करने के साथ-साथ ज्यादातर लोग सीटीएम रूटीन फॉलो करना पसंद करते हैं। सीटीएम रूटीन हर किसी को फॉलो करना चाहिए। इसमें पहले क्लींजिंग, टोनिंग, और फिर मॉइस्चराइजिंग की जाती है।

सीटीएम रूटीन में त्वचा की टोनिंग के लिए ही टोनर का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में यदि आप भी चेहरे पर टोनर का इस्तेमाल करते हैं तो ये खबर आपके लिए है। यहां हम आपको टोनर इस्तेमाल करने के फायदे, नुकसान और इस्तेमाल का सही तरीका बताने जा रहे हैं। इस बारे में हर किसी को जरूर पता होना चाहिए। ताकि आपकी त्वचा पर किसी तरह की कोई परेशानी न होने पाए।

ऐसे करें टोनर का इस्तेमाल: टोनर का इस्तेमाल करना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले अपने चेहरे को किसी अच्छे फेस वॉश या क्लींजर से धो लें। इससे धूल, गंदगी और मेकअप के अवशेष हट जाएंगे। इसके बाद कॉटन पैड लें और उसमें थोड़ा-सा टोनर डालें। अब इसे हल्के हाथों से चेहरे और गर्दन पर लगाएं। आंखों के आसपास के हिस्से को छोड़ दें। आप चाहें तो टोनर को स्प्रे बोतल में भी रख सकते हैं। इसे सीधा स्प्रे किया जा सकता है। टोनर लगाने के बाद त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाना न भूलें।

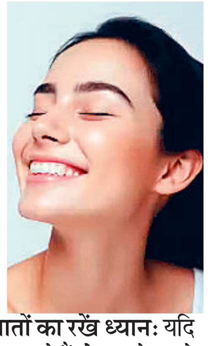

इस्तेमाल के समय इन बातों का रखें ध्यान: यदि आप टोनर का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो सबसे पहले इसे अपनी स्किन के हिसाब से ही इसे खरीदें। ऑयली स्किन के लिए एस्ट्रिंजेंट टोनर और ड्राइ स्किन के लिए हाइड्रेटिंग टोनर बेहतर होते हैं। नेचुरल या हर्बल टोनर (जैसे गुलाब जल) का उपयोग करें, क्योंकि इनमें हानिकारक केमिकल कम होते हैं।

ये हैं फायदे: टोनर के इस्तेमाल से पहले इसके फायदे जान लें। ये त्वचा के पोर्स को डीप क्लीन करता है और इसकी अतिरिक्त तेल व गंदगी हटाता है।

कार्नर न्यूज

दुल्हन का श्रृंगार भाएगा सभी को, जब करेंगे इन्हें इस्तेमाल

ब्राइडल किट में जरूर होनी चाहिए ये कुछ चीजें, वरना दुल्हन को होगी बड़ी परेशानी

ब्राइडल किट में कुछ ऐसी चीजें होनी चाहिए, जिनकी जरूरत हर दुल्हन को पड़ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं।

हर लड़की के लिए वो दिन सबसे खास होता है, जिस दिन वो दुल्हन बनती है। इस दिन के लिए लड़कियां पहले से ही काफी तैयारी करती हैं। अपने आउटफिट और मैचिंग ज्वेलरी से लेकर वो अपने मेकअप तक का खास ट्रेंड के हिसाब से ही चयन करती हैं। महीनों पहले से ही हर छोटी-बड़ी बात की योजना बनाने के बाद भी कई बार ऐसी गड़बड़ी हो ही जाती है, जिस वजह से लुक खराब होने का डर बना रहता है। ऐसे में हर दुल्हन को एक ब्राइडल किट तैयार करनी चाहिए। कुछ चीजें तो ऐसी हैं, जिन्हें ब्राइडल किट में शामिल जरूर करना चाहिए। इन चीजों की मदद से आप बड़ी परेशानी में फंसने से बच सकती हैं। ये चीजें आपके खास दिन आपकी मदद करेंगी।

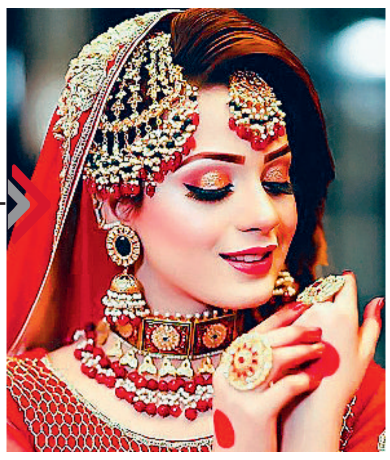

मेकअप से जुड़े सामान

हर दुल्हन की ब्राइडल किट में लिपस्टिक, लिप ग्लॉस, या लिप बाम अवश्य होनी चाहिए। ये टच-अप के काम आएगी। इसके साथ-साथ मेकअप के अन्य प्रोडक्ट जैसे मस्कारा, लाइनर, ब्लश और हाइलाइटर भी ब्राइडल किट में अवश्य रखें।

हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स

हर ब्राइडल किट में हेयर स्प्रे या हेयर सीरम अवश्य होना चाहिए। ये बालों को सेट करने में मदद करेगा। इसके साथ-साथ आपके पास हेयर पिन्स और क्लिप्स जरूर होनी चाहिए। ताकि यदि आपकी हेयर स्टाइल ढीली हो तो आप उसे सेट कर सकें।

परफ्यूम: शादी के समय थकान हो जाती है। ऐसे में थकान के बीच आपको अच्छा महकना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपकी ब्राइडल किट में डिओड्रेंट और परफ्यूम जरूर रखें। अगर आप अच्छा महकेंगी तो लोगों को भी परेशानी नहीं होगी, और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

बॉडी टेप: बॉडी टेप एक ऐसी चीज है, जो आपकी कई परेशानियों का समाधान बनके सामने आ सकती है। इसका इस्तेमाल ज्वेलरी सेट करने से लिकर ब्लाउज और दुपट्टा सेट करने तक में किया जा सकता है। इसलिए ये आपके ब्राइडल किट में अवश्य होनी चाहिए।

हर साइज की सेफ्टी पिन: भले ही आउटफिट कितना भी महंगा हो, लेकिन कई बार ये आपको परेशानी में डाल सकती है। ऐसे में किसी भी इमरजेंसी के लिए ब्राइडल किट में हर साइज की सेफ्टी पिन्स जरूर होनी चाहिए। बड़ी सेफ्टी पिन लहंगे और ब्लाउज को सेट करने में मदद करेंगी, वहीं छोटी पिन दुपट्टे के लिए काम आ सकती है।